धनबाद, सोमवार
13 जुलाई 2026
वर्ष : 03 अंक : 283
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सलियों के कई डंप बरामद, सोना, नकदी, हथियार और विस्फोटक जब्त

दंतेवाड़ा, (एजेंसी) : छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में पुलिस और सुरक्षा बलों ने आत्मसमर्पित नक्सलियों की निशानदेही पर बारसूर थाना क्षेत्र के तोड़मा गांव के जंगल-पहाड़ी इलाके में छिपाकर रखे गए नक्सलियों के कई डंप बरामद किए हैं। कार्रवाई में 116 ग्राम सोना, दो लाख रुपये नकद, आधुनिक हथियार, बड़ी मात्रा में गोला-बारूद, विस्फोटक और अन्य नक्सली सामग्री जब्त की गई है। बरामद सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 18 लाख रुपये बताया गया है।

दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय ओ इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि अभियान की निगरानी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राम कुमार बर्मन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नक्सल ऑप्स) जितेंद्र कुमार खूंटे ने की।पुलिस के अनुसार, हाल ही में आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटे नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को नक्सलियों के गुप्त डंप की सटीक जानकारी दी थी। इसके आधार पर संयुक्त टीमों ने तोड़मा के घने जंगलों में सर्च अभियान चलाया, जहां जमीन के नीचे अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखे गए हथियार, विस्फोटक और अन्य सामग्री बरामद की गई।

छत्तीसगढ़ के कांकेर सीमा पर नक्सली डम्प से हथियार व नक्सल सामग्री बरामद

कांकेर, (एजेंसी) : छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कांकेर-नारायणपुर सीमा पर आलपरस और गुमचुर के बीच जंगल-पहाड़ी इलाके में सुरक्षा बलों ने संयुक्त सर्चिंग अभियान के दौरान नक्सलियों का एक डंप बरामद किया। डंप से दो .303 रायफल, 32 राउंड कारतूस, लैपटॉप, टैबलेट, वायरलेस उपकरण, नक्सली वर्दी और अन्य सामग्री जब्त की गई। इसकी पुष्टि कांकेर के पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने की है।

पुलिस के अनुसार, जिले के संवेदनशील और नक्सल प्रभावित रहे सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार संयुक्त अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए डम्प को बरामद किया। बरामद नक्सली डंप से दो .303 रायफल, 32 राउंड .303 कारतूस, एक लैपटॉप, एक टैबलेट, तीन वायरलेस बैटरी, एक रेडियो सेट, दो नक्सली वर्दी, पांच पाउच, दो चार्जर, एक बैटरी, नक्सली साहित्य तथा अन्य उपयोगी सामग्री शामिल है।

असम में एक करोड़ की याबा गोलियां जब्त, मुख्यमंत्री ने की श्रीभूमि पुलिस की सराहना

गुवाहाटी, (एजेंसी) : असम पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए श्रीभूमि जिले में लगभग एक करोड़ रुपये मूल्य की 10,000 याबा गोलियां बरामद की हैं। इस कार्रवाई में पुलिस ने दो आरोपितों को भी गिरफ्तार किया है।मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने इस सफलता पर श्रीभूमि पुलिस की सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, ब्रेकिंग बैड? असम में नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'असम अगेंस्ट ड्रग्स' अभियान के तहत राज्य में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने पुलिस को बधाई देते हुए कहा कि असम पुलिस यह सुनिश्चित कर रही है कि नशा तस्करों को किसी भी तरह की राहत न मिले।

राज्य सरकार का कहना है कि युवाओं को नशे से बचाने और मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

एक दिन में 1.25 करोड़ पौधों का महाअभियान, गांधीनगर ने रचा नया हरित इतिहास

405 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास, 101 ऑक्सीजन पार्क और 155 इलेक्ट्रिक बसों की सौगात

अहमदाबाद (एजेंसी) : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) के "मिशन फाइव मिलियन ट्रीज" के अंतर्गत लगभग 1.25 करोड़ पौधे लगाने के अभियान का नेतृत्व किया और एएमसी, अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण (औडा) तथा सड़क एवं भवन विभाग की लगभग 405 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी की प्रोत्साहक उपस्थिति में साइंस सिटी में आयोजित इस कार्यक्रम में गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में कुल 101 ऑक्सीजन पार्क और 155 एसी इलेक्ट्रिक बीआरटीएस-एएमटीएस बसों का लोकार्पण भी किया गया।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र और अहमदाबाद शहर में पर्यावरण के

संरक्षण और पृथ्वी के संवर्धन के लिए एक अभूतपूर्व "जन अभियान" शुरू किया गया है। इसके अंतर्गत गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में आज एक ही दिन में 1,25,93,513 पौधे लगाने का भगीरथ कार्य पूर्ण करके एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया गया।

इसके साथ ही, उन्होंने अहमदाबाद के तीनों लोकसभा क्षेत्रों में अलग से 50 लाख पौधे लगाने के लिए तेज गति से चल रहे महत्वाकांक्षी अभियान के लिए अहमदाबाद महानगर पालिका के काम की सराहना की। उन्होंने केवल तीन महीने में असंभव प्रतीत होने वाले इस कार्य को पूरा करने के लिए मनपा का आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "एक पेड़ मां के नाम" आह्वान से प्रेरित होकर यह अभियान अब एक जनआंदोलन बन गया है। केवल गांधीनगर लोकसभा के 1,37,812 नागरिकों ने अपनी-अपनी सोसायटियों में पांच-पांच पौधे लगाने का संकल्प लिया है। वहीं, अहमदाबाद शहर के अन्य संसदीय क्षेत्रों के भी 28,544 नागरिकों ने यह संकल्प लिया है।

प्रधानमंत्री के "वन साथे जन अने प्रकृति साथे प्रगति" यानी वन के साथ जन और प्रकृति के साथ प्रगति का मंत्र दोहराते हुए उन्होंने कहा कि इन सभी वृक्षों में गोरस इमली, शीशम, बरगद और पीपल जैसे पेड़ शामिल हैं, जिनकी उम्र कम से कम 100 वर्ष या उससे अधिक होती है। इस प्रकार, आज लगाए गए ये पेड़ आने वाली अनेक पीढ़ियों को छांव देंगे।

अमित शाह ने गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में हरित क्षेत्र को 11.23 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी करने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए 80 नई बीआरटीएस तथा 75 नई एएमटीएस इलेक्ट्रिक बसों का लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही अहमदाबाद बीआरटीएस देश की एकमात्र संपूर्ण प्रदूषण-मुक्त बस सेवा बन गई है।

चाईबासा चेम्बर को मिलेगा स्थायी कार्यालय के लिए भूखंड : मंत्री

पश्चिमी सिंहभूम,(एजेंसी) : पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा में आयोजित चाईबासा चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पंचम वृहद रक्तदान और निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में परिवहन एवं राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार मंत्री दीपक बिरुवा ने चेम्बर के लिए स्थायी कार्यालय निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि चेम्बर व्यापारिक हितों के साथ-साथ समाजसेवा के क्षेत्र में भी लगातार उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। स्थायी कार्यालय बनने से संस्था की सामाजिक और व्यावसायिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी और व्यापारियों को एक सशक्त मंच प्राप्त होगा।रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन मंत्री दीपक बिरुवा, उपायुक्त मनीष कुमार, नगर परिषद अध्यक्ष एवं चाईबासा चेम्बर के पूर्व अध्यक्ष नितिन प्रकाश, सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बहमन टूटी, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) पूजा कुमारी, नगर परिषद उपाध्यक्ष विकास शर्मा, डॉ. सौम्य सेनगुप्ता, डॉ. अजय अग्रवाल, चेम्बर अध्यक्ष संजय चौबे सहित अन्य अतिथियों ने किया। मौके पर अतिथियों का पौधा और स्मृति

चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

शिविर में कुल 105 यूनिट रक्त संग्रह किया गया, जबकि 287 लोगों ने विभिन्न प्रकार की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। चिकित्सकीय परीक्षण के दौरान 52 इच्छुक लोगों को हीमोग्लोबिन की कमी, उच्च या निम्न रक्तचाप और अन्य स्वास्थ्य कारणों से रक्तदान की अनुमति नहीं दी गई। चिकित्सकों ने बताया कि यह निर्णय रक्तदाता और रक्त प्राप्त करने वाले दोनों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया गया।उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान किसी जरूरतमंद के लिए नया जीवन साबित हो सकता है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित रक्त की उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। चेम्बर अध्यक्ष संजय चौबे ने स्वागत भाषण में कहा कि संस्था व्यापारिक गतिविधियों के साथ सामाजिक दायित्वों का भी लगातार निर्वहन कर रही है। उन्होंने रक्तदान जैसे जनहित के अभियानों में समाज की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।नगर परिषद अध्यक्ष चाईबासा चेम्बर के पूर्व अध्यक्ष नितिन प्रकाश ने बताया कि उनकी माता की पुण्यतिथि पर आयोजित यह शिविर उनके लिए भावनात्मक महत्व रखता है। उन्होंने घोषणा की कि अगले वर्ष से इसी तिथि पर आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर का संपूर्ण खर्च वह स्वयं वहन करेंगे।

देवघर सदर अस्पताल का स्वास्थ्य मंत्री ने किया औचक निरीक्षण

देवघर, (एजेंसी) : स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने रविवार को देवघर सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर साफ-सफाई, दवा उपलब्धता, उपचार व्यवस्था और मरीजों को मिल रही सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरान मंत्री ने भर्ती मरीजों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और अस्पताल की व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि देवघर सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि जल्द ही राज्य के अन्य जिलों से चिकित्सकों की तैनाती देवघर में की जाएगी, जिससे विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं और अधिक सुलभ हो सकें।

उन्होंने कहा कि यह दौरा पूरी तरह औचक निरीक्षण था, जिसका उद्देश्य अस्पताल की वास्तविक

स्थिति का आकलन करना था। मंत्री ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिया कि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं।

राजकीय श्रावणी मेला 2026 की तैयारियों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि जल्द ही इस संबंध में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने अब तक की तैयारियों पर संतोष जताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्वास्थ्य सेवाओं सहित सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त रखी जाएं, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और देवघर जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पर्यटन स्थल पर चिकित्सा सुविधाओं को और सशक्त बनाया जाएगा।

मौके पर सिविल सर्जन डॉ रमेश कुमार, उपाधीक्षक डॉ सुषमा वर्मा, कांग्रेस नेता अवधेश प्रजापति, डॉ अनूप सिन्हा सहित अस्पताल के चिकित्सक, कर्मी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

न्यायालय की भव्यता नहीं, न्याय तक आसान पहुंच अधिक महत्वपूर्ण : मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत

मुख्य न्यायाधीश ने मुख्यमंत्री के साथ गुरुग्राम में किया टॉवर ऑफ जस्टिस का लोकार्पण

गुरुग्राम, (एजेंसी) : देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि न्यायालयों का वास्तविक महत्व उनकी भव्यता में नहीं, बल्कि इस बात में है कि वे नागरिक और न्याय के बीच की दूरी को कितना कम करते हैं। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम का "टॉवर ऑफ जस्टिस" इसी सोच का प्रतीक है और इससे न्यायिक क्षमता बढ़ने के साथ लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी।

रविवार को न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने गुरुग्राम में टॉवर ऑफ जस्टिस का उद्घाटन किया तथा वर्चुअल माध्यम से नूंह जिले के तावडू और पुन्हाना में नए न्यायिक परिसरों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय शहरी आवास मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा सहित कई न्यायाधीश एवं

गणमान्य उपस्थित रहे।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त न्यायिक परिसरों का निर्माण हरियाणा सरकार की संवेदनशीलता और न्यायिक अवसंरचना को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त न्यायालयों के निर्माण से अधिक मामलों की सुनवाई संभव होगी और विशेष रूप से वाणिज्यिक विवादों तथा परक्राम्य लिखत अधिनियम (नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट) से जुड़े मामलों के निस्तारण में तेजी आएगी।उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता सदैव ऐसी न्याय व्यवस्था का निर्माण होनी चाहिए जो दक्ष भी हो और निष्पक्ष भी। न्याय में गति आवश्यक है, परन्तु वह कभी भी संवैधानिक मूल्यों की कीमत पर प्राप्त नहीं की जा सकती। इस परिसर में आधुनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग तथा सुव्यवस्थित ज्यूडिशियल मालखाना जैसी सुविधाएँ भी विकसित की गई हैं। इस परियोजना की एक अन्य महत्वपूर्ण विशेषता प्रस्तावित इंटरनेशनल आर्बिटेशन सेंटर है जो उच्च न्यायालय के संरक्षण में संचालित होगा।उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसी न्यायपालिका का निर्माण है जो आधुनिक हो, किन्तु मानवीय भी हो, तकनीकी रूप से उन्नत हो, किन्तु संविधान के मूल्यों में दृढ़ता से निहित भी और प्रत्येक वाद के पीछे छिपे मानवीय जीवन को समझने वाली संवेदनशील संस्था भी बनी रहे। उन्होंने कहा हमारा उद्देश्य मामलों का शीघ्र निस्तारण करना तो है ही उसके साथ, हमारा प्रयास यह भी होना चाहिए कि कोई भी नागरिक आर्थिक, सामाजिक अथवा प्रक्रियागत कठिनाइयों के कारण स्वयं को न्याय से वंचित न महसूस करे। उन्होंने कहा कि टावर ऑफ जस्टिस केवल एक भव्य इमारत न रहे, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए निष्पक्ष, प्रभावी और संवेदनशील न्याय का प्रतीक बनेगा।

जस्टिस सूर्यकांत व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित अन्य गणमान्य ने टॉवर ऑफ जस्टिस निर्माण में अपना योगदान देने वाले श्रमिकों को स्मृति चिह्न भेंटकर उनका सम्मान किया।जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि आज का अवसर मेरे लिए विशेष है। जनवरी 2017 में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में न्यायाधीश रहते हुए मुझे इस न्यायिक परिसर का भूमि-पूजन करने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा किगुरुग्राम कभी मुख्यतः कृषि के लिए जाना जाता था, वह आज उद्योग, नवाचार और निवेश का प्रमुख केंद्र बन चुका है। आज गुरुग्राम की अदालतों में 24,000 से अधिक सिविल डिस्प्यूट, लगभग 1,000 कमर्शियल डिस्प्यूट तथा नेगोशियबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के एक लाख से अधिक मामले लंबित हैं।

इस्पात मंत्री कुमारस्वामी दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे बर्नपुर आईएसपी-डीएसपी परियोजनाओं की करेंगे समीक्षा

उत्पादन क्षमता बढ़ाने, विस्तार योजनाओं और विकास कार्यों पर अधिकारियों के साथ मंथन, यूनियन प्रतिनिधियों से भी करेंगे संवाद

पश्चिम बर्दवान, (एजेंसी) : केंद्रीय इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी रविवार को अपने दो दिवसीय दौरे के तहत सेल के इस्को स्टील प्लांट (आईएसपी), बर्नपुर पहुंचे। उनका यह दौरा आईएसपी और दुगार्पुर स्टील प्लांट (डीएसपी) की उत्पादन क्षमता, विस्तार परियोजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, केंद्रीय मंत्री सुबह करीब 10 बजे अंडाल हवाई अड्डे पहुंचे, जहां सेल के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वे सड़क मार्ग से बर्नपुर पहुंचे। बर्नपुर हाउस में उनका औपचारिक स्वागत किया गया और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इस अवसर पर आईएसपी और डीएसपी के निदेशक प्रभारी (डीआईसी) सुरजीत मिश्रा, विभिन्न विभागों के कार्यकारी निदेशक (ईडी), मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) तथा सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री ने इस्पात सचिव और सेल के चेयरमैन की उपस्थिति में बर्नपुर हाउस परिसर में पौधारोपण किया। इसके बाद उन्होंने आईएसपी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर संयंत्र की वर्तमान उत्पादन स्थिति, क्षमता विस्तार, चल रही परियोजनाओं और भविष्य की विकास योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की।निर्धारित कार्यक्रम के तहत दोपहर में केंद्रीय मंत्री कोक ओवन बैटरी-12 (सीओबी-12) सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान सीओबी-10 के लिए निर्मित नए जलाशय (रिजर्वायर) का उद्घाटन, 532 आवासों एवं प्रशासनिक भवनों के निर्माण के लिए भूमि पूजन तथा ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मेल्टिंग शॉप (एसएमएस) और यूनिवर्सल स्ट्रक्चरल मिल का निरीक्षण भी प्रस्तावित है।इसके बाद केंद्रीय मंत्री अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। साथ ही वे ऑफिसर्स एसोसिएशन और विभिन्न श्रमिक यूनियनों के प्रतिनिधियों से अलग-अलग मुलाकात कर उनकी समस्याओं, सुझावों और औद्योगिक विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

शाम करीब चार बजे केंद्रीय मंत्री बर्नपुर से रवाना होकर दुगार्पुर हाउस पहुंचेंगे। सोमवार को वे दुगार्पुर स्टील प्लांट (डीएसपी) के विभिन्न विभागों, उत्पादन इकाइयों और विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे तथा अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी करेंगे।केंद्रीय इस्पात मंत्री का यह दौरा सेल की विस्तार परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा, उत्पादन क्षमता बढ़ाने की रणनीति को गति देने तथा प्रबंधन और कर्मचारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राम मंदिर चढ़ावा केस में बड़ा खुलासा

40 दिन में 70 बार हुई चोरी...

अयोध्या(एजेंसी) : अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले में जांच के दौरान चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि 40 दिनों के भीतर कथित तौर पर 70 बार चढ़ावे से रकम निकाली गई। जांच के बाद अब मंदिर प्रशासन ने चढ़ावे की गिनती की व्यवस्था भी बदल दी है। पहले दो शिफ्ट में होने वाली गणना अब सिर्फ एक ही शिफ्ट में की जाएगी। पुलिस की पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पता चला है कि कथित चोरी की घटनाएं केवल शाम की शिफ्ट के दौरान हुई थीं। इसी वजह से अब मंदिर प्रशासन ने चढ़ावे की काउंटिंग की पूरी व्यवस्था बदल दी है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपी अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा और करुणेश पांडे से कई अहम जानकारियां मिलीं। जांच में सामने आया कि करीब 40 दिनों के भीतर 70 बार चढ़ावे से कथित तौर पर रकम निकाली गई। पुलिस के अनुसार, इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा भूमिका अविनाश शुक्ला की सामने आई है। पूछताछ में मिले इनपुट के मुताबिक, उसने अकेले

50 से ज्यादा बार चढ़ावे से चोरी की। इतना ही नहीं, कई दिनों में आरोपियों ने एक ही दिन दो-दो बार चढ़ावे से रकम निकालने की कोशिश की। जांच में यह भी सामने आया कि 40 दिनों के दौरान पांच ऐसे दिन भी थे, जब कथित तौर पर एक ही दिन तीन-तीन बार चोरी की गई। जांच का एक बड़ा निष्कर्ष यह भी रहा कि पहली शिफ्ट में गिनती के दौरान ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई।अविनाश और अनुकल्प मिश्रा एक-दूसरे की करते थे मदद

जांच एजेंसियों का कहना है कि पूछताछ में यह भी सामने आया कि अविनाश शुक्ला और अनुकल्प मिश्रा हर बार एक-दूसरे की मदद करते थे। दोनों की भूमिका और बाकी आरोपियों के साथ उनके तालमेल की जांच अभी भी जारी है। अब तक की जांच में यह भी सामने आया है कि कथित चोरी की सभी घटनाएं उस समय हुईं, जब चढ़ावे की गणना दोपहर 2 बजे से रात 9 बजे तक चलने वाली दूसरी शिफ्ट में होती थी। इसी के बाद मंदिर प्रशासन ने एहतियात के तौर पर चढ़ावे की गिनती की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब चढ़ावे की गिनती सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक सिर्फ एक ही शिफ्ट में की जा रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और पूछताछ में सामने आए तथ्यों का अन्य सबूतों से मिलान किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

कार से पशु चोरी करते दो गिरफ्तार, एक पशु बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : तारा टांड़ पुलिस ने कार से पशु चोरी करते दो लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है।इस दौरान पुलिस ने कार व चोरी के एक पशु को भी कब्जे में लिया है।तारा टांड़ थाना प्रभारी बुद्धेश्वर उरांव ने बताया कि थाना गेट के समीप वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस ने एक हुंडई आई 20 को रोका और डिक्की की जांच की।जांच के क्रम में कार में एक मवेशी पाया गया जिसके बाद कार चालक व एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार करते हुए कार व मवेशी को जब्त कर अग्रतर कारवाई शुरू कर दी गई है।

50 लाख की नकली विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, 350 पेटी शराब जब्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : जिले के बेंगाबाद थाना क्षेत्र के घाघरा गांव में उत्पाद विभाग और बेंगाबाद थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर अवैध नकली विदेशी शराब निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। कार्रवाई में करीब 50 लाख रुपये मूल्य की 350 पेटी नकली विदेशी शराब के साथ शराब निर्माण में प्रयुक्त भारी मात्रा में सामग्री और उपकरण जब्त किए गए।उत्पाद विभाग के अनुसार फैक्ट्री में रॉयल स्टैग, रॉयल चैलेंज और आइकोनिक जैसे नामी ब्रांडों के नाम पर नकली शराब तैयार की जा रही थी।छापेमारी के दौरान 25 हजार ढक्कन, 20 रोल होलोग्राम, 55 रोल रैपर, 1,000 कार्टन, 4,000 लीटर क्षमता की पानी की टंकी, एसीई मशीन, पाइप और अन्य सामग्री बरामद हुई। मामले में झारखंड उत्पाद अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।उत्पाद विभाग ने बताया कि अवैध शराब कारोबार से जुड़े पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है और इसमें शामिल लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। कार्रवाई का नेतृत्व उत्पाद अधीक्षक शिव कुमार साहू ने किया।

हाईवा के चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत, दो घायल विरोध में सड़क जाम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के बड़कागांव स्थित एनटीपीसी त्रिवेणी सैनिक लि के कोयला ट्रांसपोटिंग रोड स्थित 13 माइल के पास हाईवे के चपेट में आने से तीन व्यक्ति घायल हो गए। इन घायलों का इलाज बड़कागांव अस्पताल ले जाया गया।जहां तीन घायलों में से एक व्यक्ति की मौत अस्पताल पहुंचते ही हो गई।जबकि दो व्यक्तियों का इलाज जारी है।यह घटना शनिवार के 11 बजे रात की है।मृतक का पहचान चेपाकला निवासी नरेश कुमार महतो के रूप में की गई है।ग्रामीणों द्वारा सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो जाने के विरोध में आज सुबह से ही कोयला ट्रांसपोटिंग सड़क को जाम कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि शनिवार की रात 11 बजे पूर्वाहन जुगरा के समीप लोहा पुल के पास कोयला ट्रांसपोटिंग वाहन के चपेट में आने से चेपाकला निवासी मोटरसाइकिल सवार नरेश कुमार महतो की मौत हो गई, जबकि उनके दो अन्य सदस्य का घायल होने की खबर है।सूचना पाकर बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह एवं डाड़ीकला ओपी प्रभारी सागेन मुर्मू

घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर रहे है। समाचार लिखे जाने तक एनटीपीसी एवं एवं त्रिवेणी सैनिक लिमिटेड के अधिकारी सड़क जाम कर रहे ग्रामीणों को समझा बुझा रहे थे। सड़क जाम करने वाले ग्रामीण एवं मृतक के परिजन को 15 लाख रुपए मुआवजा एवं उसके परिजन को नौकरी देने की मांग कर रहे थे।प्रखंड प्रशासन द्वारा सड़क जाम को हटाने एवं मृतक के परिजनों मुआवजा दिलाने का प्रयास जारी है।चेपा कला के मुखिया अनिकेत नायक कहना है कि ट्रांसपोटिंग रोड में कोयल का ज्यादा ट्रिप करने के चक्कर में अधिकांश हाईवा तेज रफ्तार से चलती।इस कारण आए दिन इन सड़कों में घटनाएं होती रहती है अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है और कई लोग दिव्यांग हो चुके हैं। कंपनी एवं प्रशासन इस पर नियंत्रण करें,ताकी दुर्घटना ना हो और यहां के लोगों को सुरक्षा,मुआवजा नौकरी मिले।

मेदिनीनगर में आवारा कुत्ते का आतंक, आधे घंटे में आठ बच्चों को काटा, लोगों में दहशत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : नगर निगम क्षेत्र के स्टेशन रोड गांधी मैदान के आसपास रविवार शाम एक आवारा कुत्ते ने जमकर आतंक मचाया। करीब आधे घंटे के भीतर कुत्ते ने आठ बच्चों पर हमला कर उन्हें काट लिया। चिकित्सकों ने आवश्यक उपचार के साथ एंटी रैबीज वैक्सीन लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गयी और लोगों में दहशत फैल गयी।घटना के बाद परिजन घायल बच्चों को तत्काल इलाज के लिए एमआरएमसीएच लेकर पहुंचे, जहां सभी बच्चों का प्राथमिक उपचार किया गया।फिलहाल सभी घायल बच्चों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि गांधी मैदान और आसपास के इलाकों में लंबे समय से आवारा कुत्तों का आतंक बना हुआ है।कई बार शिकायत के बावजूद नगर निगम की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की गयी, जिसके कारण यह बड़ी घटना हुई।घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है. लोगों ने नगर निगम प्रशासन से आवारा कुत्तों को पकड़ने और इलाके में विशेष अभियान चलाने की मांग की है।

मानगो में चोरों ने सात दूकान का ताला तोड़ा, दो दूकान से हुई चोरी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : उलीडीह थाना क्षेत्र के मानगो-डिमना रोड स्थित बाजार इलाके में चोरों ने एक के बाद एक कई दुकानों को निशाना बनाया।शातिर चोरों ने एक ही रात में करीब 7 दुकानों के ताले तोड़े.चोरो ने दो दूकान से नकद और कुछ सामानो की चोरी कर ली।चोरो ने टेलर दुकान से एक मशीन और मा वैष्णो मेडिकल स्टोर्स 25 हजार रुपया नकद की चोरी कर ली।इसके अलावे चोरो ने श्याम जनरल स्टोर, विष्णु भंडार, मां वैभव वैष्णो मेडिकल, मनोज केजरीवाल की हार्डवेयर दुकान, रामाज्ञा आटा चक्की, राधा कृष्ण ट्रेलर और शुभम स्टोर का ताला तोड़ा। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की रात को सभी दुकानदार अपना दुकान बंद कर घर चले गए थे रविवार की सुबह जब वह अपनी दुकान पर पहुंचे तो दुकान का ताला टूटा देखकर उनके पास उड़ गए।दो दुकानों के ताले टूटे हुए थे और अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था।सामूहिक चोरी की इस खबर से इलाके में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते मौके पर स्थानीय लोगों व व्यापारियों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही मानगो थाना पुलिस फौरन मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई। पुलिस की टीम बाजार और आसपास के प्रतिष्ठानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि चोरों के हुलिए और उनकी गतिविधियों का सुराग लगाकर पहचान की जा सके। दूसरी ओर, स्थानीय व्यापारियों ने पुलिस के आला अधिकारियों से मांग की है कि आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए।

एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर पुरस्कार से सम्मानित हुए बीएसएल के उत्कृष्ट अधिकारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र में उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर अवार्ड स्कीम' के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बीएसएल के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन उपस्थित थे। कार्यक्रम में संयंत्र के अधिशासी निदेशक, विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक तथा अन्य वरीय अधिकारी भी सम्मिलित हुए।समारोह के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र एवं माइंस के कुल नौ अधिकारियों को उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु सम्मानित किया गया।पुरस्कृत होने वाले अधिकारियों में उप महाप्रबंधक सोवन गोस्वामी, उप महाप्रबंधक (बीएनपीटी) श्याम उज्जवल मेडडा, सहायक महाप्रबंधक (एचएसएम) राकेश कुमार भारद्वाज, सहायक महाप्रबंधक (सिंटर प्लांट) अनमोल कुमार, वरीय प्रबन्धक (सीएमएम) अमित कुमार, वरीय प्रबंधक (एचआरसीएफ) विजय कुमार, उप प्रबंधक (मानव संसाधन) एस.के. पात्रा, उप- प्रबंधक (ईएमडी) शुभम कौशिक और सहायक प्रबंधक (टेक्निकल सेल) केतन अरोड़ा शामिल हैं। निदेशक प्रभारी ने सभी पुरस्कृत अधिकारियों एवं उनके परिजनों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी और उनके द्वारा प्रदर्शित कार्य- कुशलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह सम्मान न केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता का प्रतीक है, बल्कि यह संगठन की सामूहिक प्रगति और कार्य-संस्कृति को बेहतर बनाने के लिए एक सशक्त प्रेरणा स्रोत भी है।विदित हो कि एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर अवार्ड का मुख्य उद्देश्य उत्पादन, उत्पादकता में वृद्धि, लागत नियंत्रण तथा नवाचार के क्षेत्रों में असाधारण योगदान देने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित करना है। सभी पुरस्कृत अधिकारियों ने भविष्य में भी अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में इसी ऊर्जा और उत्कृष्टता के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

भाजपा ने झारखंड सरकार के कौशल विकास मिशन सोसाइटी पर लगाया गंभीर आरोप, ब्लैक लिस्टेड कंपनी को किया करोड़ो का भुगतान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : भाजपा प्रदेश इकाई ने झारखंड सरकार के कौशल विकास मिशन सोसाइटी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रांची स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अजय शाह ने कहा कि सरकार ने ब्लैकलिस्टेड कंपनी को ब्लैकलिस्ट की सूची से हटाकर करोड़ों रुपए का भुगतान कर वापस से ब्लैकलिस्ट की सूची में डाल दिया।दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए श्री शाह ने कहा कि अगस्त 2024 को तत्कालीन मिशन निदेशक ने स्किल डेवलपमेंट की छह कंपनियों को फजी बैंक गारंटी देने का दोषी पाया और अगस्त 2026 तक इनको ब्लैकलिस्ट कर दिया। परंतु वर्तमान मिशन डायरेक्टर शैलेंद्र लाल ने तमाम नियम कानून को ताक में रख कर अक्टूबर 2024 में ब्लैकलिस्टेड कंपनियों को काली सूची से बाहर कर भुगतान करने का आदेश पारित कर दिया। इस दौरान स्किल डेवलपमेंट के नाम पर विभाग द्वारा लगभग 55 करोड़ का भुगतान भी किया गया।श्री शाह ने आगे बताया कि अगस्त 2025 में फजी बैंक गारंटी मामले में विनय चौबे के जेल जाने के बाद शैलेंद्र लाल ने वापस से कंपनियों को काली सूची में डाल दिया। यानी कि ब्लैकलिस्टेड कंपनियों को दस महीने के लिए सूची से बाहर निकाल कर करोड़ों का भुगतान किया गया और वापस से काली सूची में डाल दिया गया। अजय ने आगे कहा कि सभी ब्लैकलिस्टेड कंपनियों की काली सूची का समय अगस्त 2026 में समाप्त हो रहा है और वापस से इन्ही कंपनियों को सरकार द्वारा मोटी रकम देने की तैयारी है।भाजपा ने इस पूरे घोटाले की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच की माँग के साथ साथ यह भी माँग की है कि श्रम विभाग के वर्तमान सचिव और पूर्व सचिव पर भी विनय चौबे की तरह केस दर्ज होना चाहिए।

गोड्डा में सोना चमकाने के नाम पर ठगी: एक आरोपी गिरफ्तार, पिघला सोना और बाइक जब्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गोड्डा : गोड्डा जिले के महागामा थाना क्षेत्र से सोना और चांदी चमकाने के नाम पर ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी 76 वर्षीय कांता देवी की शिकायत पर हुई है, जिनसे 7 जुलाई 2026 को ठगी की गई थी।वादीनी कांता देवी,पति उमाकांत चौधरी, ने महागामा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि दो अज्ञात अपराधियों ने सोना-चांदी चमकाने के बहाने उनसे सोने की ठगी की। इस शिकायत के आधार पर 7 जुलाई को अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।मामले के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए गोड्डा पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार के निर्देश पर एक एसआईटी टीम का गठन किया गया। इस टीम का नेतृत्व महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक ने किया।

एसआईटी टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मानवीय सूचना के आधार पर जांच की। भागलपुर जिले के कहलगांव थाना क्षेत्र निवासी राजेश कुमार साह (पिता स्वर्गीय प्रेमी साह) से पूछताछ की गई। राजेश कुमार साह ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली।आरोपी के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर ठगी किया गया पिघला हुआ सोना और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, काला क्लर का फुल टीशर्ट, उडलैंड का जूता के साथ सोना चांदी साफ करने वाला लिक्विड, सोना साफ करने वाला ब्रश, पीतांबरी साइनिंग पावडर 3 पैकेट, एक छोटे डब्बे में 2 टुकड़ा सोने जैसा पदार्थ , सोना चांदी बेचकर प्राप्त 18 हजार रुपए

जब्त की गई है। इस घटना में शामिल एक अन्य व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। गिरफ्तार अभियुक्त को आज न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।पूरे मामले पर महागामा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक ने बताया कि पीड़ित से मिली जानकारी के मुताबिक दोनों कान का और एक गले का लॉकेट चमकाने के नाम पर ठगी किया था जिसमें दो लोग शामिल थे एक की गिरफ्तारी के लिए तलाश की जा रही है।

213वें नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 49 लोगों की हुई जांच, बरसाती बीमारियों से बचाव का दिया गया संदेश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : जिला सेवा भारती, लोहरदगा द्वारा चुन्नीलाल स्कूल परिसर में प्रत्येक रविवार की भांति इस सप्ताह भी 213वें निःशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ सुबह 7:30 बजे जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. कुमुद अग्रवाल, उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल एवं समाजसेवी मिथुन तमेड़ा ने भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया। इस दौरान वंदे मातरम् एवं भारत माता के जयघोष के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई।शिविर में कुल 49 लोगों ने स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। मरीजों की हीमोग्लोबिन, यूरिक एसिड, ब्लड ग्रुप, ब्लड शुगर, रक्तचाप (बीपी), वजन, हार्टबीट तथा ऑक्सीजन लेवल सहित कई आवश्यक जांचें निःशुल्क की गईं। वहीं अन्य जटिल जांचें भी रियायती दर (आधे खर्च) पर उपलब्ध कराई गईं।जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने कहा कि बदलती जीवनशैली और बढ़ती बीमारियों को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को नियमित स्वास्थ्य जांच करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर ही सुखी जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और सेवा भारती का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। भविष्य में भी स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा और बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. कुमुद अग्रवाल ने बरसात के मौसम में फैलने वाली बीमारियों से बचाव के लिए लोगों को जागरूक किया। उन्होंने लोगों से घर एवं आसपास पानी का जमाव नहीं होने देने, उबालकर पानी पीने तथा मच्छरदानी के नियमित उपयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि थोड़ी-सी सावधानी अपनाकर डेंगू, मलेरिया एवं अन्य संक्रामक बीमारियों से काफी हद तक बचा जा सकता है।

उपाध्यक्ष अवधेश मित्तल एवं अतुल सर्राफ ने बताया कि सेवा भारती द्वारा प्रत्येक रविवार सुबह निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के प्रति जागरूक करना तथा समय पर चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि शिविर में लगातार बढ़ रही लोगों की भागीदारी इस सेवा कार्य के प्रति समाज के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है।शिविर में सेवा भारती के पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम में गुप्तेश्वर प्रसाद गुप्ता, पदमलोचन अग्रवाल, अंजलि सर्राफ, नरेंद्र प्रजापति, सत्यम सर्राफ, सचिदानंद अग्रवाल, गोपाल महतो, शहनाज बानो, सिराज अंसारी, प्रभु साहू, वीरेंद्र केसरी, सुरेंद्र गुप्ता, उदय कसेरा, बालमोहन प्रसाद, रमेश शर्मा, सोनिया पोद्दार, सचिन कुमार, कृष्ण अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

गेतलसूद डैम के रोज आइलैंड में बड़ा हादसा: गहरे पानी में डूबा बरियातू का युवक, तलाश जारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रांची का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गेतलसूद डैम रविवार की शाम एक दर्दनाक हादसे का गवाह बन गया। डैम के रोज आइलैंड में घूमने आया बरियातू (रांची) निवासी युवक अर्शलान खान अचानक गहरे पानी में समा गया।देखते ही देखते युवक के आंखों से ओझल होने के कारण मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही सिकिदिरी थाना पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंच गई है और युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार शाम करीब 6:15 बजे अर्शलान खान रोज आइलैंड के समीप पानी के किनारे मौजूद था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसला या संतुलन बिगड़ा और वह गहरे पानी की ओर चला गया।वहां मौजूद अन्य पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने उसे बचाने का प्रयास भी किया, लेकिन पानी की अथाह गहराई होने के कारण वह तेजी से नीचे समा गया और लापता हो गया।घटना की खबर फैलते ही गेतलसूद डैम पर स्थानीय ग्रामीणों और पर्यटकों की भारी भीड़ जमा हो गई।परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।मौके पर मौजूद सिकिदिरी थाना पुलिस की देखरेख में कुशल गोताखोरों की मदद से पानी में डूबे युवक की तलाश की जा रही है। देर शाम होने के कारण रेस्क्यू टीम को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, हालांकि प्रशासन युवक को सुरक्षित निकालने के लिए लगातार प्रयासरत है।

पीएलएफआई का हार्डकोर कुख्यात उग्रवादी राजेन्द्र साहू उर्फ मास्टर गिरफ्तार, देशी पिस्टल व 6 जिंदा गोलियां बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : आधा दर्जन से ज्यादा मामलों में वांछित पीएलएफआई का हार्डकोर कुख्यात उग्रवादी को पुलिस ने गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है और प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन को फिर से खड़ा करने की मंशा पर खूंटी पुलिस ने पानी फेर दिया है।खूंटी पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि कई मामलों में वांछित 42 वर्षीय कुख्यात पीएलएफआई उग्रवादी राजेन्द्र साहू उर्फ राजेन्द्र साव उर्फ मास्टर पिता-स्वर्गीय मुंगलू सोनार अपने गांव में मौजूद है। इसी सूचना पर तोरपा थाना पुलिस टीम ने एसडीपीओ के नेतृत्व में मुरहू थाना क्षेत्र के गम्हरिया से कुख्यात उग्रवादी राजेंद्र साहू उर्फ मास्टर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार उग्रवादी राजेंद्र साहू की निशानदेही पर एक देशी पिस्टल और छह जिंदा गोलियां बरामद की। आर्म्स एक्ट तथा 17 सीएलए एक्ट के तहत तोरपा, कर्रा, खूंटी और मुरहू थाना में अलग अलग दर्ज कांडों का राजेंद्र साहू उर्फ मास्टर अभियुक्त रहा है।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादक:- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेल:-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

चिरकुंडा थाना परिसर में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : एसजेएएस हॉस्पिटल धनबाद के सौजन्य से चिरकुंडा थाना परिसर में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में लगभग 40-45 लोगों का जांच किया गया।शिविर में चिकित्सकों ने थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक आशुतोष कुमार सहित सभी अधिकारियों व कर्मियों का स्वास्थ्य जांच किया। थाना आने वाले लोग भी अपने स्वास्थ्य की जांच कराई।शिविर में बीपी,शुगर,आंख,दांत सहित आम बीमारी की जांच की गई।जांच के बाद जिनका कुछ गड़बड़ी पाया गया उन्हें चिकित्सकों ने उचित सलाह दिया।मौके पर डॉ परवेज खान, डॉ मोहित कुमार,डॉ दिलीप कुमार, मार्केटिंग हेड मो आमिर,महक शर्मा,नूपुर व अस्पताल अन्य कर्मी मौजूद थे।

मारवाड़ी युवा मंच द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच चिरकुंडा शाखा द्वारा एसजेएस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल धनबाद के सहयोग से अग्रसेन सरस्वती विद्या मंदिर चिरकुंडा में रजत जयंती समारोह के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 40 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।रक्त दान करने वालों को मोमेंटो व सर्टिफिकेट दिया गया. मौके पर स्कूल के अध्यक्ष रवि रंजन गढ़यान, सचिव निलय गढ़यान, प्राचार्य डॉ अशोक कुमार वर्मा, चिरकुंडा शाखा अध्यक्ष प्रणव गाढ़यान, आदर्श गाढ़यान, रोहित खरकिया, आकाश अग्रवाल, आदित्य, तुषार अग्रवाल, प्रणेश अग्रवाल, शिवम बंसल, गौरव खरकिया, मोहित, सौरभ, सुदीप पांडेय, आमिर खान सहित अस्पताल के कर्मी मौजूद थे. शिविर में विभिन्न बीमारी का भी जांच किया।

किक बॉक्सिंग में झारखंड का मान बढ़ाने वाली बेटियों को ट्रस्ट ने किया सम्मानित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : किक बॉक्सिंग के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली नेहरू रोड चिरकुंडा निवासी मनदीप कौर व राजदीप कौर को संगत पंगत ट्रस्ट के सदस्यों ने रविवार को चिरकुंडा स्थित आवास पर समान्नित किया।दोनों बहनें उज्बेकिस्तान में 2026 में होने वाले वाको वर्ल्ड कप भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। दोनों बहनों ने राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीत कर क्षेत्र ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड का नाम रौशन किया है। ट्रस्ट के लोगों ने अंगवस्त्र, प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर दोनों बहनों को सम्मानित कर उज्ज्वल भविष्य की कामना किया।ट्रस्ट ने कहा कि बेटियों की उपलब्धि पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। अखिल भारतीय कास्यथ महासभा के अध्यक्ष रवि श्रीवास्तव ने कहा ने कहा कि दोनों बहनों का हौसला बढ़ाने आए हैं।मौके पर बीएन लाल,धनंजय श्रीवास्तव,अशोक श्रीवास्तव,परिमल घोष,अनूप श्रीवास्तव व अन्य उपस्थित थे।

धनबाद के विकास के लिए 22 जुलाई को एक मंच पर आएंगे सभी दल, रंधीर वर्मा चौक पर होगा महाधरना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद के विकास को लेकर 22 जुलाई को शहर में एक अनोखी तस्वीर देखने को मिलेगी। पहली बार विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता पार्टी के झंडे नहीं, बल्कि राष्ट्रीय ध्वज के साथ एक मंच पर जुटेंगे। रंधीर वर्मा चौक पर प्रस्तावित एक दिवसीय धरना के जरिए धनबाद के सर्वांगीण विकास की मांग उठाई जाएगी। इस आयोजन की जानकारी रविवार को निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में दी।निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने बताया कि धनबाद प्राकृतिक संसाधनों और राजस्व के मामले में समृद्ध जिला है, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण अपेक्षित विकास नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि शहर आज भी कई बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। इन्हीं मुद्दों को लेकर 22 जुलाई को सभी दलों के जनप्रतिनिधि और नेता एक मंच पर आकर केंद्र और राज्य सरकार का ध्यान धनबाद के विकास की ओर आकर्षित करेंगे।प्रेसवार्ता में झामुमो नेता चन्द्रशेखर अग्रवाल, राजद के जिला अध्यक्ष और समाजसेवी विजय झा भी मौजूद रहे। सभी नेताओं ने कहा कि यह आयोजन किसी राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि धनबाद के हित और उसके समग्र विकास के उद्देश्य से किया जा रहा है। धरना के दौरान विकास के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा और आगे की रणनीति भी तय की जाएगी।

बलियापुर के युवक की जर्मनी में मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कुसबेरिया गांव के 30 वर्षीय तूफान मिश्रा की जर्मनी में निधन हो जाने के बाद गांव में मातम छा गया है।मृतक तूफान मिश्रा जर्मनी में रहकर डीएचएल कंपनी में वर्ष 2016 से नौकरी कर रहा था।बताया जाता है कि उनकी पत्नी सुभासमिता मिश्रा भी वहीं की एक अन्य कंपनी में नौकरी करती है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार तूफान मिश्रा की तबीयत खराब होने पर उन्हें वहीं के एक अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया। जहां 6 जुलाई को उनका निधन हो गया। परिजनों द्वारा मृतक का शव बलियापुर लाने के लिए प्रशासनिक पहल की जा रही है। इस संबंध में भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य धर्मजीत सिंह ने धनबाद के उपायुक्त समेत अन्य कई पदाधिकारीयों से बातें भी की है। मृतक कुशबेरिया गांव के तपन मिश्रा का पुत्र था। वह एक बहन एवं तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। उनका एक 8 वर्षीय पुत्र है। उनके निधन की सूचना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

भू - धंसान क्षेत्र की डोजरिंग में तेजी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःन्यू आकाशकिनारी छाताबाद फुटबाल ग्राउंड के समीप हुए भू-धंसान व पड़ी दरार की रविवार को युद्धस्तर पर डोजरिंग की गई। छह दिनों में कई लोग अपने - अपने घर खाली कर दूसरी जगह चले गए हैं। चुके हैं। आकाशकिनारी कोलियरी प्रबंधन के द्वारा प्रभावितों को अब तक पुनर्वास नहीं किया जा सका है। जिससे क्षेत्र के लोग दहशत में हैं। न्यू आकाशकिनारी कोलियरी के प्रबंधक अमित कुमार की मौजूदगी में भू-धंसान स्थल का भराई कार्य चल रहा है। इस कार्य में सात हाइवा व एक डोजर मशीन को लगाया गया है। आज भी गोफ की भराई पूरी तरह से नहीं हो सकी है। वहीं इलाके का सर्वे किया जा रहा है। सर्वे के बाद बीसीसीएल प्रबंधन को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। इधर कोलियरी प्रबंधन की ओर से प्रभावित परिवारों के बीच भोजन की व्यवस्था कराया गया था। पार्षद मो. शहाबुद्दीन ने बताया कि शनिवार को बीसीसीएल प्रबंधन के द्वारा आठ प्रभावित परिवारों को पुनर्वास के लिए बेलगड़िया भेजा गया था। लेकिन क्वार्टर के अंदर दरवाजा व खिड़की टूटा होने के कारण सभी लोग वापस लौट आए

पिकअप वैन से 3.20 लाख की चोरी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः पिकअप वाहन से 3.20 लाख रुपए की चोरी में तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। उनके पास से चोरी गया रुपया भी बरामद कर लिया। रविवार को प्रेस कांफ्रेंस में एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल ने रविवार को तोपचांची थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में घटना का खुलासा करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्रामीणों की सतर्कता एवं पिकअप चालक की सूझबूझ से चोरी की पूरी राशि बरामद कर ली गई है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने की बातें कहीं। जबकि एक आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। एसडीपीओ ने बताया कि 11 जुलाई की सुबह करीब 10:30 बजे सूचना मिली थी कि साहुबहियार स्थित राजस्थानी होटल के आगे एक झोपड़ीनुमा होटल के समीप खड़े पिकअप वाहन से स्कॉर्पियो सवार अपराधियों ने नकदी चोरी कर धनबाद की ओर भागने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही पुलिस ने पीछा किया और लेदाटांड़ गांव के समीप ग्रामीणों के सहयोग से चार में से तीन आरोपियों को धर दबोचा,

जबकि एक आरोपी फरार हो गया। जांच में यह बात सामने आई कि अपराधी चौपारण से ही पिकअप वाहन का पीछा कर रहे थे। साहुबहियार में वाहन रुकते ही उन्होंने मोटरसाइकिल की पुरानी चाबी (मास्टर चाबी) से पिकअप का दरवाजा खोलकर 3 लाख 20 हजार रुपये चोरी कर ली। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोरी की पूरी राशि, घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो (जेएच02 बीजे6696), चार मोबाइल फोन तथा पुरानी चाबी का गुच्छा बरामद कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजा कुमार तिवारी उर्फ राज कुमार तिवारी (23), गोलू तिवारी उर्फ आकाश कुमार (25), दोनों निवासी चौपारण, हजारीबाग तथा सन्नी चौधरी (29), निवासी कटकमसांडी, हजारीबाग के रूप में हुई है। एसडीपीओ ने बताया कि इस मामले में तोपचांची थाना कांड संख्या 72/2026 के तहत बीएनएस की धारा 305(बी)/3(5) में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। कांड के सफल उद्भेदन में तोपचांची थाना प्रभारी लव कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक असीम कुमार लकड़ा, पुलिस अवर निरीक्षक राकेश कुमार दुबे, पुलिस अवर निरीक्षक सतीश कुमार महतो, सहायक अवर निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार राम सहित तोपचांची थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

सांसद ढुलू महतो ने विधायक अरूप चटर्जी को भेजा लीगल नोटिस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद सांसद ढुलू महतो ने निरसा विधायक अरूप चटर्जी को दो करोड़ रुपये की मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है। भेजे गये नोटिस में प्रेस वार्ता और विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगाए गए आरोपों को झूठा, निराधार और मानहानिकारक बताया गया है। नोटिस में सात दिनों के भीतर सार्वजनिक माफी मांगने, आरोप वापस लेने, सोशल मीडिया से संबंधित सामग्री हटाने और दो करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति की मांग की गई है। ऐसा नहीं होने पर दीवानी और आपराधिक कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है। सांसद ढुलू महतो की ओर से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मीडिया को यह जानकारी दी गई है। सांसद की तरफ से उनके हाई कोर्ट के अधिवक्ता के माध्यम से भेजे गए कानूनी नोटिस में कहा गया है कि निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने प्रेस वार्ता और विभिन्न प्रिंट, डिजिटल तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सांसद और उनके परिवार के खिलाफ गंभीर, झूठे और मानहानिकारक आरोप लगाए। नोटिस के अनुसार इन आरोपों के व्यापक प्रचार-प्रसार से सांसद की व्यक्तिगत, सामाजिक और सार्वजनिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। नोटिस में विधायक अरूप चटर्जी से सात दिनों के भीतर बिना शर्त सार्वजनिक लिखित माफी मांगने, सभी कथित मानहानिकारक बयानों को वापस लेने, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म से संबंधित वीडियो, पोस्ट और अन्य सामग्री हटाने की मांग की गई है। साथ ही भविष्य में ऐसे बयान नहीं देने और प्रतिष्ठा की हुई कथित हानि के लिए दो करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति देने की भी मांग की गई है। सांसद ढुलू महतो ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन बिना तथ्य और प्रमाण के किसी पर झूठे एवं मानहानिकारक आरोप लगाना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि यह कदम व्यक्तिगत कारणों से नहीं, बल्कि सत्य, सम्मान और कानून के शासन की रक्षा के उद्देश्य से उठाया गया है। सांसद ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय के भीतर नोटिस की मांगों का पालन नहीं हुआ तो सक्षम न्यायालय में दीवानी और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। इस संदर्भ में सांसद ने कहा कि असभ्य भाषा का प्रयोग किया गया है, जिसके खिलाफ हम ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। न्यायालय का जो भी आदेश होगा उसे सभी को मानना चाहिए। वहीं विधायक अरूप चटर्जी ने फिलहाल इस मामले में कुछ भी कहने से इंकार कर दिया. उन्होंने इतना भर कहा कि नोटिस आने के बाद ही जबाव देंगे।

तीन सदस्यीय टीम ने ब्लॉक दो क्षेत्र में की प्रदूषण जांच

बाघमारा। बीसीसीएल ब्लॉक दो खनन परियोजना में प्रदूषण की जांच तीन सदस्यीय टीम ने की। टीम का गठन डीसी के निर्देश पर किया गया था। स्थानीय लोग प्रदूषण की लगातार शिकायत कर रहे थे। इस संबंध में एक याचिका भी दायर की गई थी। जांच टीम में शामिल निराला बास्की झ पर्यावरण अभियंता (राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) ,राज कुमार दास झ माइनिंग इंस्पेक्टर (धनबाद खनन विभाग), हरीश कुमार (आरटीओ विभाग) शामिल थे। टीम ने ब्लॉक दो क्षेत्र की परियोजनाओं के डंपिंग यार्ड, कोलडंप, विभागीय उत्खनन स्थल, आउट सोर्सिंग एमपीएल ,खेमका कैरियर एवं हाइवाल माइनिंग फेस का निरीक्षण किया। इसके साथ प्लांटेशन कार्यो का भी मुआयना किया। जमुनिया काली मंदिर स्थित स्मृति उपवन का भी निरीक्षण किया। जांच के दौरान ब्लॉक दो के अधिकारियों ने टीम के सामने अपना पक्ष रखा और प्रदूषण रोकने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी। पर्यावरण पदाधिकारी उत्तम कुमार झा ने टीम को प्रदूषण की रोकथाम के लिए ओबी डंप के ऊपर 7 हेक्टेयर भूमि पर किए गए प्लांटेशन को दिखाया। वहीं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र का भौतिक सत्यापन कर लिया गया है और इसकी विस्तृत जांच रिपोर्ट जल्द ही विभाग को सौंप दी जाएगी। जिसके बाद आगे की कानूनी या सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। ब्लॉक दो के महाप्रबंधक कुमार रंजीव ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को बताया कि अंबे माइनिंग खदान एक फायर प्रोजेक्ट है। यहां जले ओबी को डंप करने के दौरान धूलकण उड़ते हैं, जिसे नियंत्रित करने के लिए प्रबंधन द्वारा नियमित रूप से जल छिड़काव कराया जाता है। मौके पर बरोरा क्षेत्र के एजीएम पंचम पांडेय , पीओ टीएस चौहान, ब्लॉक दो क्षेत्र के एजीएम पीएसके सिन्हा, मैनेजर सुरेश प्रजापति और सेμटी मैनेजर रणविजय सिंह भी जांच के दौरान उपस्थित थे।

जागृत मंदिर, चिरागोड़ा में माखन की मटकी से गोवर्धन शिखर तक उमड़ा भक्तिरस का सागर

श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, दामोदर लीला और गोवर्धन धारण की मनोहारी झांकियों ने श्रद्धालुओं को किया भाव-विभोर, जयघोषों से गूंज उठा कथा पंडाल।

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः निष्कपट बाल सुलभ चंचलता, वात्सल्य की मधुर अनुभूति और प्रेम की अलौकिक धारा से सराबोर श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस जागृत मंदिर चीरागोड़ा परिसर नंदगांव और वृंदावन की दिव्य छटा से आलोकित हो उठा। प्राण प्रतिष्ठा वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पंचम दिवस पर कथावाचक उज्वल शांडिल्य जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, माखन-चोरी, दामोदर लीला तथा गोवर्धन लीला का अत्यंत ओजस्वी एवं भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि भगवान की प्रत्येक लीला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मानव जीवन को धर्म, प्रेम, विनम्रता और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देती है।

महाराज ने कहा कि नटखट कान्हा की माखन-चोरी वस्तुतः भक्तों के निर्मल हृदय को चुराने की लीला है। भगवान को धन-संपत्ति नहीं, प्रेम, निष्कपटता और श्रद्धा प्रिय है। यशोदा मैया द्वारा श्रीकृष्ण को उखल से बाँधने की दामोदर लीला यह सिद्ध करती है कि परमात्मा को किसी शक्ति से नहीं, बल्कि भक्त के प्रेम से बाँधा जा सकता है।गोवर्धन प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि जब इंद्र के अहंकार से ब्रज पर संकट आया, तब बालक श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठिका उंगली पर गोवर्धन पर्वत धारण कर समस्त ब्रजवासियों की रक्षा की। यह लीला केवल चमत्कार नहीं, बल्कि अहंकार के पराभव, सामूहिक एकता और प्रकृति संरक्षण का शाश्वत संदेश है। भगवान ने यह भी सिखाया कि प्रकृति, गौवंश और पर्यावरण का सम्मान ही सच्ची पूजा है।कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक बाल लीलाओं की झांकी, दामोदर लीला की सजीव प्रस्तुति तथा गोवर्धन धारण की भव्य झांकी ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। जैसे ही श्रीकृष्ण ने अपनी उंगली पर गोवर्धन पर्वत धारण किया, पूरा कथा पंडाल गिरिराज धरण की जय ,राधे-राधे के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालु भक्ति-रस में झूमते हुए भगवान की लीलाओं का आनंद लेते रहे।

महाराज ने कहा कि यदि मनुष्य अपने जीवन में श्रीकृष्ण की सरलता, प्रेम, करुणा, सेवा और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना को आत्मसात कर ले, तो उसका जीवन भी आनंद और शांति से भर जाएगा। कथा के समापन पर भजन-कीर्तन और संकीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

जब न्याय पहुँचा जन-जन के द्वार: मेगा लीगल इंपावरमेंट कैंप में करोड़ों की सौगात

डालसा के मेगा कैंप में सैकड़ों लाभुक हुए लाभान्वित,

90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान को मिली नई गति

न्यायपालिका, प्रशासन और बीसीसीएल का साझा जनकल्याण अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः न्याय केवल न्यायालयों की चारदीवारी तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका वास्तविक उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक अधिकार, सम्मान और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। इसी सोच को साकार करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा), धनबाद द्वारा रविवार को बीसीसीएल के अनुपूर्णा भवन में आयोजित मेगा लीगल इंपावरमेंट कैंप जनसेवा, और न्याय का सशक्त संगम बन गया। अधिकार, आपका प्रयास हमारा के अभियान के तहत एक ही मंच से करोड़ों रुपये मूल्य की परिसंपत्तियों का वितरण हुआ, वहीं विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं ने सैकड़ों जरूरतमंद परिवारों के जीवन में नई उम्मीद का संचार किया।

कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के चयनित लाभुकों के बीच करोड़ों रुपये मूल्य की परिसंपत्तियों का वितरण किया। समारोह में बीसीसीएल के सीएमडी, मनोज अग्रवाल सीटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ,ग्रामीण एसपी, अपर समाहर्ता प्रदीप कुमार शुक्ला ,धनबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी, महासचिव जितेंद्र कुमार , जिले के न्यायिक पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के वरीय अधिकारी, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की टीम तथा बड़ी संख्या में लाभुक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। इन स्टॉलों में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र लाभुकों को मौके पर ही आवश्यक परामर्श और सहायता भी उपलब्ध कराई गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने सभी स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों से योजनाओं की जानकारी ली तथा लाभुकों से संवाद कर उनकी समस्याओं से भी अवगत हुए।

अपने उद्बोधन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के गरीब, वंचित और जरूरतमंद लोगों को सुलभ, त्वरित एवं निःशुल्क न्याय उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि न्याय तभी सार्थक होगा, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। इसी उद्देश्य से डालसा और लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम की समर्पित टीम लगातार कानूनी सहायता, विधिक जागरूकता और सरकारी योजनाओं को आमजन तक पहुँचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में संचालित 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान के तहत जिले के गाँवों, पंचायतों, विद्यालयों और दूरस्थ क्षेत्रों में लगातार शिविर आयोजित कर लोगों को उनके अधिकारों एवं कानूनी संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि बीसीसीएल सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन के तहत समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और जिला प्रशासन के साथ आयोजित यह मेगा लीगल इंपावरमेंट कैंप सामाजिक सरोकार और जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है तथा भविष्य में भी बीसीसीएल ऐसे प्रयासों में अपना पूरा सहयोग देता रहेगा। उन्होंने कहा कि न्याय केवल कोर्ट रुम तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक घर प्रत्येक परिवार और प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे।यही हमारे संविधान की आत्मा है, यही भारत की आधारशिला है.

सिटी एसपी ऋतिक श्रीवास्तव ने कहा कि जिला प्रशासन और डालसा का साझा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि ऐसे मेगा शिविर शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत माध्यम बन रहे हैं तथा प्रशासन आगे भी इसी प्रकार के जनहितकारी प्रयास जारी रखेगा।

बार एसोसिएशन के महासचिव जितेन्द्र कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित यह मेगा लीगल इंपावरमेंट कैंप न्याय को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने की दिशा में एक सराहनीय और अनुकरणीय पहल है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता केवल न्यायालय में पक्षकारों का प्रतिनिधित्व करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज में विधिक जागरूकता फैलाने और जरूरतमंद लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं।

कार्यक्रम के अंत में विभिन्न विभागों द्वारा चयनित लाभुकों को परिसंपत्तियों एवं सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। पूरे आयोजन ने यह संदेश दिया कि जब न्यायपालिका, प्रशासन और सार्वजनिक उपक्रम समाज के हित में एकजुट होकर कार्य करते हैं, तब न्याय केवल कानूनी अधिकार नहीं रहता, बल्कि जनविश्वास, सामाजिक सुरक्षा और समावेशी विकास का सशक्त माध्यम बन जाता है। कार्यक्रम के दौरान

कविता देवी एवं उनके समूह को 3 करोड़ 76 लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया, पप्पू पास्वान भूमि अधिग्रहण, मुआवजे, के एवज में 29 लाख रुपए का मुआवजे का चेक दिया गया । रिया कुमारी, सरिता कुमारी ,अंजली कुमारी को नियुक्ति पत्र

हाथियों के समूह के द्वारा घर तोड़ दिए जाने से परेशान रविलाल मुर्मु को मुआवजे की राशि प्रदान की गई, वहीं दर्जनों लोगों को नियुक्ति पत्र व स्वीकृति पत्र भी प्रदान किया गया

संक्षिप्त खबरें

मुख्य सड़क पर चढ़ने के दौरान कार से टकराई बाइक, दंपती गंभीर रूप से घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : दुमका जिले के मसलिया थाना क्षेत्र के छोटा चपूड़िया गांव के समीप रविवार शाम एक सड़क दुर्घटना में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना उस समय हुई जब बाइक चालक मुख्य सड़क पर चढ़ने के दौरान संतुलन खो बैठा और सामने से आ रही कार से जा टकराया.प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक स्विफ्ट डिजायर कार गोविंदपुर-साहिबगंज मुख्य मार्ग से रांची की ओर से दुमका जा रही थी।इसी दौरान दलाहीझमुगीमोड़ सड़क से एक बाइक चालक मुख्य सड़क पर चढ़ रहा था।मुख्य सड़क पर चढ़ते समय बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे कार से जा भिड़ी.हादसे में बाइक चालक राजेश हेम्ब्रम तथा उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों खुटोजोरी पंचायत के आगेया गांव के निवासी बताए जाते हैं और किसी पारिवारिक कार्य से ससुराल जा रहे थे।दुर्घटना में राजेश हेम्ब्रम के सिर में गंभीर चोट आई है, जबकि उनकी पत्नी भी घायल हुई हैं।घटना की सूचना मिलते ही मसलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से दोनों घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से इलाज के लिए फूलो झानो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, दुमका भेजा. चिकित्सकों के अनुसार राजेश हेम्ब्रम की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जबकि उनकी पत्नी का भी इलाज जारी है।दुर्घटना के बाद कुछ देर के लिए घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गई।

कार की टक्कर से बच्चा घायल, चालक गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : सतगावां थाना क्षेत्र के ग्राम खूंटा में एक तेज रफ्तार बलोने वाहन की टक्कर से 11 वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया।घायल बच्चे की पहचान नावाडीह निवासी रामबचन साव के 11 वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार के रूप में हुई है।मिली जानकारी के अनुसार वाहन संख्या जेएच01डीजे-4132 बलेनो गाड़ी ने खूंटा गांव के समीप आर्यन कुमार को टक्कर मार दी।दुर्घटना के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार होने का प्रयास कर रहा था। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी बबलू सिंह ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चेक पोस्ट पर वाहन को रुकवाकर गाड़ी सहित चालक को थाना ले जाया गया। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायल बच्चे को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां पहुंचाया गया।प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल कोडरमा रेफर कर दिया।

सड़क हादसे में बाइक सवार महिला गंभीर, रिम्स रेफर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : कुजू ओपी क्षेत्र के श्रीराम चौक स्थित फोरलेन सड़क पर रविवार को हुए सड़क हादसे में एक बाइक सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।घटना के बाद स्थानीय लोगों की सहायता से उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया।जानकारी के अनुसार, बड़कागांव थाना क्षेत्र के सिकरी निवासी तुलेश्वर महतो अपनी पत्नी फलासो कुमारी तथा सात वर्षीय पुत्र के साथ महुआटांड़ स्थित रिश्तेदार के यहां से बाइक (संख्या जेएच24डी- 7622) से घर लौट रहे थे।इसी दौरान श्रीराम चौक के समीप पीछे से आ रहे एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी।टक्कर लगने से फलासो कुमारी सड़क पर गिर गईं. तभी पीछे से आ रहे ट्रेलर (संख्या एनएल01एडी- 2333) की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गईं।घटना के बाद आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची रिम्स रेफर कर दिया, जहां उनका इलाज जारी है. घटना की सूचना मिलने पर कुजू ओपी के पूअनि अरविंद कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इधर, पैंकी फोरलेन मार्ग पर भी एक अनियंत्रित कार सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई।हालांकि इस हादसे में कार सवार सभी लोग बाल-बाल बच गए और किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है।

फैक्ट्री में शेड बदलने के दौरान मजदूर गिरा, मौत, लापरवाही का आरोप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : सिहोडीह स्थित एक एल्युमिनियम फैक्ट्री में रविवार दोपहर शेड बदलने के दौरान एक मजदूर की गिरकर मौत हो गई।दरअसल, मृतक की पहचान बरवाडीह गांधी गली निवासी मो. शाहबुद्दीन अंसारी उर्फ पिंकू के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में पुराना शेड हटाकर नया शेड लगाने का काम चल रहा था। इसी दौरान ऊंचाई पर काम करते वक्त शाहबुद्दीन का पैर फिसल गया,जिससे वे नीचे गिर पड़े।गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही उनकी मौत हो गई।घटना के बाद मृतक के परिजनों ने फैक्ट्री मालिक पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि हादसे की सूचना मिलने के बावजूद मालिक मौके पर नहीं पहुंचे।परिजनों ने प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।इस हादसे के बाद फैक्ट्री में मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। फैक्ट्री प्रबंधन रवि चूड़ीवाला ने बताया कि मजूदर हमारी नहीं था शेड लगाने के लिए ठेकेदार को दिए थे लगाने वक्त अचानक गिर गया जिससे उसकी मौत हो गया जो भी उचित होगा हर संभव मदद किया जाएगा।

प्रेमी जोड़े को हिरासत में लिया गया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : तिलैया पुलिस ने कोडरमा स्टेशन के पास से एक प्रेमी जोड़े को हिरासत में लिया है। लड़का लड़की दोनों नवादा जिला के रहने वाले हैं. लड़का रजौली का बता रहा है, जबकि लड़की हरदिया की रहने वाली है।पुलिस के पूछताछ में दोनों ने संतुष्टि जनक जवाब नहीं दिया, जिसके बाद पुलिस दोनों को अपने साथ थाना ले आई है। लड़का अपना नाम शिवम बता रहा है, जबकि लड़की अपना नाम रानी बता रही है। हालांकि पूछने पर दोनों ने कहा कि एक दूसरे को जानते हैं और अपनी मर्जी से आनंद विहार दिल्ली जा रहे थे।पूछने पर लड़की ने अपनी उम्र 19 साल बताया। फिलहाल दोनों को पूछताछ के लिए थाना ले जाया गया है।

टैंकर व हाइवा के बीच टक्कर, टैंकर चालक घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : कोडरमा थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची पटना मुख्य मार्ग के कोडरमा घाटी स्थित सतपुलिया के समीप रविवार की सुबह एक सड़क दुर्घटना हो गई।जिसमें टैंकर और हाईवा के बीच हुई टक्कर में टैंकर चालक बुरी तरह से जख्मी हो गया।घायल चालक की पहचान बिहार के छपरा जिले के 40 वर्षीय धर्मेंद्र यादव पिता जय प्रकाश यादव के रूप में की गई है।मिली जानकारी के अनुसार धर्मेंद्र यादव बोकारो से उक्त टैंकर में कच्चा तेल लोड कर कोडरमा घाटी के रास्ते नेपाल जा रहा था। इसी दौरान कोडरमा घाटी के सतपुलिया के समीप एक खाली हाईवा उनके तेल टैंकर से ओवरटेक कर बिल्कुल सामने आ गई और अचानक से धीरे हो गई।सतपुलिया के समीप ढलान होने के कारण धर्मेंद्र द्वारा टैंकर का ब्रेक लगाने के बावजूद टैंकर पीछे से हाईवा में जा टकराई, जिसके कारण टैंकर का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और धर्मेंद्र यादव टैंकर के केबिन में ही फंस गए। इधर घटना की सूचना मिलते ही कोडरमा पुलिस तथा सड़क सुरक्षा के कर्मी सागर कुमार गिरी मौके पर पहुंचे और आपसी सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद धर्मेंद्र यादव को केबिन से बाहर निकाला गया। इसके पश्चात सागर कुमार गिरी द्वारा चालक धर्मेंद्र यादव को निजी वाहन से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। उल्लेखनीय है कि कोडरमा घाटी में आए दिन ऐसी सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं, जिला प्रशासन को घाटी क्षेत्र में ऐसी दुर्घटना वाले जगह को चिन्हित कर वहां ट्रैफिक नियमों के निशान बोर्ड लगाने की आवश्यकता है।इधर घटना के पश्चात घाटी में जाम लग गई और कई वाहन इस जाम में फंसे रहे।वहीं पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए क्रेन के माध्यम से तेल टैंकर को सड़क के किनारे किया और परिचालन को पूर्ण रूप से बहाल किया गया।

एनएच-114ए पर युवक का अधजला शव मिलने से सनसनी, शव की नहीं हो सकी पहचान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : जरमुंडी थाना क्षेत्र के बोगली गांव के समीप एनएच-114ए पर रविवार को तीन बजे के करीब एक युवक का अधजला शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों ने हाईवे किनारे एक अधजले शव को देखा और इसकी सूचना तत्काल जरमुंडी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस निरीक्षक दयानंद साह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की तथा मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।पुलिस निरीक्षक दयानंद साह ने बताया कि मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।शव को पोस्टमार्टम के लिए दुमका भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं पुलिस जांच के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।फिलहाल पुलिस सभी संभावित बिंदुओं पर जांच में जुटी हुई है।

अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस की तैयारी शुरू, मेघाहातुबुरू में जनजागरूकता अभियान चलाने का निर्णय

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : आगामी 9 अगस्त 2026 को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस की तैयारियों को लेकर मेघाहातुबुरू स्थित कम्युनिटी हॉल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता इलियास चाम्पिया ने की, जिसमें आयोजन को सफल बनाने तथा सारंडा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।बैठक में निर्णय लिया गया कि आदिवासी समाज को उनके मौलिक अधिकारों, जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा, रोजगार गारंटी तथा पलायन जैसी महत्वपूर्ण समस्याओं के प्रति जागरूक किया जाएगा।इसके लिए बैनर, फ्लेक्स और अन्य प्रचार सामग्री तैयार कर गांव-गांव अभियान चलाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। वक्ताओं ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस केवल सांस्कृतिक पहचान का उत्सव नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के अधिकारों, परंपराओं और विकास से जुड़े मुद्दों को सामने लाने का भी महत्वपूर्ण अवसर है। इसलिए इस वर्ष कार्यक्रम को अधिक प्रभावी और जनभागीदारी वाला बनाने का प्रयास किया जाएगा।बैठक में बीर सिंह मुंडा, एस. होरो, एलिजाबेथ पुर्त्ती, बुधवा कोनगाड़ी, जुरेन्द्र अंगारिया, सरगिया अंगारिया, लखन चांपिया, सुरेश मुर्मू सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।बैठक के अंत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि तैयारियों की समीक्षा तथा आगामी रणनीति तय करने के लिए अगली बैठक 17 जुलाई 2026 को शाम 4 बजे मेघाहातुबुरू के कम्युनिटी हॉल में आयोजित की जाएगी। इस दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के साथ विभिन्न समितियों की जिम्मेदारियां भी तय की जाएंगी।

कार से पशु चोरी करते दो गिरफ्तार, एक पशु बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : गांडेय पुलिस ने कार से पशु चोरी करते दो लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है।इस दौरान पुलिस ने कार व चोरी के एक पशु को भी कब्जे में लिया है।कागजी प्रक्रिया के बाद गिरफ्तार लोगों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।मामला तारा टांड़ थाना क्षेत्र का है।तारा टांड़ थाना प्रभारी बुद्धेश्वर उरांव ने बताया कि वरीय पदाधिकारी के आदेशानुसार अपराध नियंत्रण हेतु शनिवार की देर रात सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था।इसी क्रम में शनिवार देर रात करीब दो बजे गिरिडीह तरफ से तेजी से एक कार आते दिखाई देख ताराटांड़ थाना मुख्य गेट के पास चेकिंग कर रही पुलिस ने वाहन को रोका।वाहन जांच में कार(जेएच 10 एक्स 1471) में रस्सी से बांधा हुआ एक मवेशी मिला इसके बाद पुलिस ने कार चालक व कार में बैठे एक अन्य व्यक्ति को हिरासत में लेकर वाहन और मवेशी को थाना लाया।पूछताछ में चालक ने अपना नाम फुरकान अंसारी उम्र 38 वर्ष पिता काबुल अंसारी ग्राम बाँकी खुर्द थाना अहिल्यापुर बताया जबकि दूसरे व्यक्ति ने अपना नाम मो. शबीर अंसारी उम्र 28 वर्ष पिता रमजान मियां ग्राम फिटकोरिया थाना बेंगाबाद बताया।पुछताछ के बाद दोनों को रविवार को दोपहर में जेल भेज दिया गया।

विश्रामपुर विधानसभा के बूथ संख्या-139 पर विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण, बीएलओ सुमित्रा देवी बनीं अन्य बीएलओ के लिए प्रेरणा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : पलामू जिले में उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत के नेतृत्व में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य निर्धारित समयसीमा के अनुरूप तेजी से संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत सभी बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर एन्यूमरेशन (गणना) फॉर्म का वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गढ़वा जिले के मझिआंव प्रखंड स्थित मतदान केंद्र संख्या-139 ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य शत-प्रतिशत पूरा कर लिया है।मतदान केंद्र संख्या-139 की बीएलओ सुमित्रा कुमारी ने अपनी कार्यकुशलता, समर्पण और बेहतर नेतृत्व क्षमता का परिचय देते हुए बूथ के सभी 542 मतदाताओं का एन्यूमरेशन फॉर्म भरवाने के साथ-साथ उसका डिजिटाइजेशन भी सफलतापूर्वक पूर्ण कराया। पुनरीक्षण के दौरान 2 मतदाता अनुपस्थित, 24 स्थानांतरित, 10 मृत एवं 2 डुप्लीकेट मतदाता चिन्हित किए गए।इस उपलब्धि के पीछे विश्रामपुर विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अपर समाहर्ता कुंदन कुमार की सतत मॉनिटरिंग, प्रभावी कार्ययोजना एवं टीम आधारित कार्यशैली की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके नियमित मार्गदर्शन एवं निरंतर समीक्षा के कारण संबंधित अधिकारियों एवं बीएलओ ने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है।इस संबंध में कुंदन कुमार ने बताया कि विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य पूरी गति से संचालित है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी बीएलओ एवं पूरी टीम के समन्वित प्रयास से यदि कार्य इसी गति से आगे बढ़ता रहा, तो विश्रामपुर विधानसभा राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण करने वाला पहला विधानसभा क्षेत्र बनने की दिशा में अग्रसर है।उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने बीएलओ सुमित्रा देवी को बधाई देते हुए कहा कि सफलता केवल लक्ष्य प्राप्त करने में नहीं, बल्कि पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने में है। सुमित्रा कुमारी ने यह सिद्ध किया है कि प्रतिबद्धता और सुनियोजित कार्यप्रणाली से कठिन से कठिन लक्ष्य भी समय पर प्राप्त किए जा सकते हैं।उपायुक्त श्री शेखावत ने कहा कि यह उपलब्धि केवल एक बीएलओ की सफलता नहीं, बल्कि पूरी टीम के समन्वित प्रयास का परिणाम है। मैं जिले के सभी बीएलओ से अपेक्षा करता हूँ कि वे भी इसी समर्पण, सकारात्मक सोच और कार्यसंस्कृति के साथ अपने-अपने बूथों पर शत-प्रतिशत फॉर्म वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन सुनिश्चित करें। उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रत्येक कर्मी का प्रशासन द्वारा प्रोत्साहन एवं सम्मान किया जाएगा।

पतरातू डैम में नहाने के दौरान डूबने से छात्र की मौत, नाविकों ने दो को बचाया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के पतरातू डैम घूमने आए चार दोस्तों की खुशियां रविवार को उस समय मातम में बदल गईं, जब डैम में नहाने के दौरान 22 वर्षीय युवक अश्विनी कुमार की डूबने से मौत हो गई। मृतक मूल रूप से गिरिडीह का रहने वाला था और रांची में रहकर पढ़ाई कर रहा था।जानकारी के अनुसार अश्विनी कुमार अपने साथी संदीप कुमार, शहबाज और आदिति के साथ रांची के कांटा टोली से पतरातू डैम घूमने आया था।चारों कटूआ कोचा स्थित नाव घाट पहुंचे, जहां उन्होंने डैम में नहाने का कार्यक्रम बनाया। इसी क्रम में डैम में उतरे युवक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।युवकों को डूबता देख नाविकों ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। नाविकों ने दो लोगों को सुरक्षित पानी से बाहर निकाल लिया, लेकिन अश्विनी कुमार का पता नहीं चल सका।इसके बाद नाविकों ने डैम में उसकी तलाश शुरू की। करीब 20 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद अश्विनी को पानी से बाहर निकाला गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को प्रखंड चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।समाचार भेजे जाने तक घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई थी।नाविकों की तत्परता से बची दो जिंदगियां

14 जुलाई को पश्चिमी सिंहभूम के सभी मतदान केंद्रों पर होगी बीएलओ-बीएलए-2 एवं चुनाव पाठशाला की द्वितीय बैठक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार झारखंड सहित पश्चिमी सिंहभूम जिले में संचालित मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान को प्रभावी एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में आगामी 14 जुलाई 2026 मंगलवार को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ-बीएलए-2 की द्वितीय बैठक तथा चुनाव पाठशाला की द्वितीय बैठक का संयुक्त आयोजन किया जाएगा।यह बैठक प्रातः 11बजे से दोपहर 12 बजे तक एक साथ सभी मतदान केंद्रों पर आयोजित होगी।

जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार इस बैठक का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी एवं अद्यतन बनाना है, ताकि आगामी निर्वाचन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और विश्वसनीय ढंग से संपन्न हो सके।बैठक के दौरान मतदाता सूची के विभिन्न बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की जाएगी तथा स्थानीय स्तर पर प्राप्त सुझावों एवं तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।बैठक में विशेष रूप से प्रारूप एएसडीडी सूची पर गहन चर्चा होगी। इस सूची के माध्यम से ऐसे मतदाताओं की पहचान की जाएगी जिनके नाम एक

से अधिक स्थानों पर दर्ज हैं अथवा जो स्थायी रूप से अन्य स्थान पर स्थानांतरित हो चुके हैं। साथ ही अनमैप्ड मतदाताओं के संबंध में भी विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि प्रत्येक पात्र मतदाता को उसके वास्तविक मतदान केंद्र से जोड़ा जा सके और मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे।जिला निर्वाचन कार्यालय ने सभी आम मतदाताओं, सामाजिक कार्यकताओं, पूर्व पोलिंग एजेंटों तथा विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए-2) से बैठक में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है। प्रशासन का मानना है कि स्थानीय लोगों की सहभागिता से मतदाता सूची अधिक सटीक एवं विश्वसनीय बनेगी, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया और मजबूत होगी।निर्वाचन कार्यालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि बैठक एवं विशेष गहन पुनरीक्षण की पूरी प्रक्रिया में केवल भारतीय नागरिकों की ही भागीदारी अनुमन्य होगी।किसी भी गैर-भारतीय नागरिक को इस प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।यह व्यवस्था निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, सुरक्षा और वैधानिक शुचिता बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है।उपायुक्त मनीष कुमार ने जिलेवासियों से लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा किझारखंड विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2026 के अंतर्गत 14 जुलाई को आयोजित होने वाली यह द्वितीय बैठक हमारे जिले की मतदाता सूची को शत-प्रतिशत शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।पश्चिमी सिंहभूम जिले के सभी सम्मानित नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मेरा आग्रह है कि वे अपने-अपने मतदान केंद्रों पर आयोजित बैठक में अवश्य भाग लें। हमारा संकल्प है कोई भी पात्र भारतीय नागरिक छूटे नहीं और कोई अपात्र व्यक्ति जुड़े नहीं।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा गायत्री शक्तिपीठ में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर संगोष्ठी

सहरसा, (एजेंसी) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फ्रर) अपनी स्थापना के 100 वर्ष (शताब्दी वर्ष) पूरे होने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहरसा द्वारा गायत्री शक्तिपीठ में 'युवा संवाद' के तहत राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर रविवार को एक संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य ट्रस्टी डॉ. अरुण कुमार जायसवाल, विभाग प्रचारक सुमित जी और सिंडिकेट सदस्य मेजर डॉ. गौतम कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया।संवाद कार्यक्रम में शहर के बड़ी संख्या में युवाओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस संगोष्ठी में मुख्य ट्रस्टी डॉ अरुण कुमार जायसवाल ने राष्ट्र निर्माण के प्रति युवाओं के दायित्वों और उनकी ऊर्जा को सही दिशा देने पर विशेष जोर दिया। उनहोंने इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा कि सेवा, संगठन, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कृति का संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संस्कारित, संगठित और जागरूक युवा ही विकसित, आत्मनिर्भर एवं गौरवशाली भारत के निर्माण की मजबूत आधारशिला रख सकते हैं।

उन्होंने युवाओं को समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की प्रेरणा दी। आर एस एस के विभाग प्रचारक सुमितजी. ने कहा कि भारत आज अनेक सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन चुनौतियों का स्थायी और प्रभावी समाधान तभी संभव है, जब देश का युवा वर्ग राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति सजग बने।

गया जी में ई-रिक्शा चालक के खाते में दिखे 759 करोड़ रुपये, बैंक बैलेंस देख उड़े बैंक ग्राहक के होश

गया जी: गया जिले के एक ई-रिक्शा चालक के बैंक खाते में अचानक 759 करोड़ रुपये से अधिक की राशि दिखाई देने का मामला सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। यह घटना शहर के बागेश्वरी मोहल्ले के रहने वाले शिव कुमार पटेल के साथ हुई, जो वर्षों से ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

बताया गया कि शिव कुमार पटेल के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के खाते में सामान्यतः वृद्धावस्था पेंशन के अलावा कोई बड़ी राशि नहीं रहती। 10 जुलाई को सरकार की ओर से उन्हें 1100 रुपये पेंशन के रूप में मिले थे। शनिवार को वह अपने नजदीकी ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी) से एक हजार रुपये निकालने पहुंचे। राशि निकालने के बाद जब उन्होंने मोबाइल पर बैंक बैलेंस का संदेश देखा तो उनके होश उड़ गए। संदेश में उनके खाते में 7 अरब 59 करोड़ 69 लाख 51 हजार रुपये से अधिक की राशि दिखाई दे रही थी।इतनी बड़ी रकम देखकर शिव कुमार घबरा गए और तुरंत आसपास के लोगों तथा सीएसपी संचालक को इसकी जानकारी दी। कुछ लोगों ने इसे मजाक समझा, लेकिन शिव कुमार ने बिना देर किए बैंक प्रबंधक से फोन पर संपर्क किया। दूसरे शनिवार के कारण बैंक बंद था। इसलिए प्रबंधक ने उन्हें किसी भी प्रकार का लेन-देन नहीं करने और मोबाइल सुरक्षित रखने की सलाह दी। साथ ही सोमवार को बैंक आकर पूरे मामले की जांच कराने को कहा।फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि खाते में इतनी बड़ी राशि कैसे दिखाई दी। आशंका जताई जा रही है कि यह तकनीकी गड़बड़ी या बैंकिंग प्रणाली की त्रुटि हो सकती है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में बिहार के नवादा जिले में भी एक महिला के खाते में 740 करोड़ रुपये दिखाई देने का मामला सामने आया था। गया का यह मामला अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है और सभी की निगाहें सोमवार को बैंक की जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं।

मिथिला में बाढ़ के स्थायी समाधान को केंद्र की पहल तेज, 943.81 करोड़ से 48 परियोजनाएं स्वीकृत : सांसद

दरभंगा, (एजेंसी) : दरभंगा सहित पूरे मिथिला क्षेत्र में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए केंद्र सरकार ने व्यापक स्तर पर कार्य शुरू कर दिया है। बाढ़ प्रबंधन, जलजमाव वाले क्षेत्रों से जलनिकासी, जलवायु प्रतिरोधी जल अवसंरचना के निर्माण एवं रखरखाव के लिए केंद्र सरकार द्वारा पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई गई है।स्थानीय सांसद एवं लोकसभा में भाजपा के सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री राजभूषण चौधरी के पत्र का हवाला देते हुए बताया कि उन्होंने 22 मार्च 2026 को दरभंगा जिले में हर वर्ष आने वाली बाढ़, जलजमाव और जलनिकासी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए केंद्रीय मंत्री को पत्र सौंपकर ठोस कार्रवाई का आग्रह किया था।सांसद ने बताया कि केंद्रीय मंत्री ने सूचित किया है कि बाढ़ प्रबंधन एवं सीमावर्ती क्षेत्र कार्यक्रम के तहत बिहार के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों, जिनमें दरभंगा भी शामिल है, के लिए कुल 48 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। इन परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार ने 943.81 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है। इनमें 43 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि चार परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है।उन्होंने कहा कि दरभंगा जिले में कोसी, कमला, बलान, अधवारा समूह की नदियों तथा नेपाल से छोड़े जाने वाले पानी के कारण हर वर्ष उत्पन्न होने वाली बाढ़ की चुनौती से निपटने के लिए वैज्ञानिक एवं दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जा रही है।सांसद ने बताया कि मिथिला क्षेत्र के दरभंगा, मधुबनी और समस्तीपुर जिलों में विभिन्न स्थानों पर बाढ़ निगरानी एवं जलस्तर मापन स्टेशन भी स्थापित किए गए हैं। इनके माध्यम से बाढ़ की पूर्व सूचना, संभावित खतरे की निगरानी तथा जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में सहायता मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि ये योजनाएं भविष्य में बाढ़ नियंत्रण के साथ-साथ सिंचाई एवं जल संसाधन विकास के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण साबित होंगी।

अंग शिखर सम्मेलन का आयोजन

भागलपुर,(एजेंसी) : भागलपुर के टाउन हॉल में रविवार को अंग शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया।सम्मेलन में अंग प्रदेश के समग्र विकास को लेकर विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने अपने सुझाव साझा किए। सम्मेलन में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्योग, पर्यटन, पर्यावरण, इतिहास, खेल, साहित्य और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।वक्ताओं ने कहा कि सरकार, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग जगत और समाज के साझा प्रयासों से ही क्षेत्र का संतुलित विकास संभव है।खानकाह पीर दमड़िया शाह के सज्जादानशीन मौलाना सैयद शाह फखरे आलम हसन ने प्रेम, भाईचारा, सहिष्णुता और सामाजिक एकता को मजबूत समाज की आधारशिला बताया। वहीं आर्थोपेडिक एवं माइक्रोसर्जरी विशेषज्ञ डॉ. इम्तियाजुर रहमान ने ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने, भागलपुर को मेडिकल हब बनाने और मेडिकल रिसर्च जोन स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

सत्ता पक्ष व विपक्ष की सक्रिय भागीदारी से लोकतांत्रिक मूल्यों को मिली नई मजबूती

बिपार्ड गया जी में दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का हुआ सफल समापन

गया जी(एजेंसी) : बिहार विधान सभा सचिवालय, बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) तथा प्राइड (लोकसभा सचिवालय) के संयुक्त तत्वावधान में बिहार विधान सभा के माननीय सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय आवासीय ₹प्रबोधन कार्यक्रम₹ का रविवार को बिपार्ड, गया जी में सफलतापूर्वक एवं विधिवत समापन हो गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनप्रतिनिधियों को संसदीय परंपराओं, विधायी प्रक्रियाओं तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति और अधिक जागरूक एवं सक्षम बनाना था।

समापन अवसर पर यह बात विशेष रूप से उभरकर सामने आई कि कार्यक्रम में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सदस्यों ने समान उत्साह, गंभीरता और सकारात्मक सोच के साथ भागीदारी निभाई। भारतीय जनता पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायकों की सक्रिय उपस्थिति ने लोकतंत्र की मजबूती, संसदीय परंपराओं के संरक्षण तथा जनहित के मुद्दों पर सामूहिक प्रतिबद्धता का संदेश दिया।विपक्षी विधायकों ने विभिन्न सत्रों में रखे विचार, प्रश्नोत्तर में भी रही सक्रिय भागीदारी।प्रबोधन कार्यक्रम की एक प्रमुख उपलब्धि विपक्षी दलों के विधायकों की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। विभिन्न तकनीकी एवं विषयगत सत्रों में सीपीआई (एम) के अजय कुमार, एआईएमआईएम के अख्तरूल ईमान, बहुजन समाज पार्टी के सतीश कुमार सिंह यादव, सीपीआई (एमएल-लिबरेशन) के संदीप सौरभ तथा कांग्रेस के मोहम्मद कमरूल होदा ने अपने विचार साझा किए। सभी वक्ताओं ने संसदीय कार्यप्रणाली, जनप्रतिनिधियों की भूमिका और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के प्रश्नोत्तर सत्र में भी विपक्षी विधायकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। एआईएमआईएम के मोहम्मद मुर्शिद आलम, मोहम्मद सरवर आलम एवं मोहम्मद गुलाम सरवर, सीपीआई (एमएल-लिबरेशन) के अरुण सिंह तथा कांग्रेस के मनोज विश्वास और सुरेंद्र प्रसाद ने विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे और विशेषज्ञों से संवाद किया। इससे कार्यक्रम अधिक संवादात्मक और उपयोगी बन गया।बिहार विधान सभा सचिवालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि इस प्रकार के प्रबोधन कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों के ज्ञान, संसदीय दक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सत्ता और विपक्ष की साझा एवं सकारात्मक भागीदारी ने यह सिद्ध किया कि लोकतंत्र की मजबूती और जनता के हितों की रक्षा के प्रश्न पर सभी दल एक मंच पर खड़े हैं।

मुख्यमंत्री ने 1,047.09 करोड़ रुपये की लागत वाली 982 विकास योजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास

मुजफ्फरपुर,(एजेंसी) : बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को मुजफ्फरपुर में नगर विकास एवं आवास विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 1,047.09 करोड़ रुपये की लागत वाली 982 विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इनमें 375.04 करोड़ रुपये की लागत से मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना की 669 परियोजनाएं, 233.77 करोड़ रुपये की लागत से स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज योजना की तीन परियोजनाएं तथा 213.25 करोड़ रुपये की लागत से मुजफ्फरपुर स्मार्ट सिटी परियोजना सहित अन्य विकास कार्य शामिल हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सिकंदरपुर में मुजफ्फरपुर स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत 213.25 करोड़ रुपये की लागत से विकसित सिकंदरपुर लेक फ्रंट का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने लेक फ्रंट का निरीक्षण किया। परिसर के रात्रिकालीन सौंदर्य को वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से भी दिखाया गया।

सम्राट चौधरी ने कहा कि आकर्षक फव्वारों, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था और कलाकृतियों से सुसज्जित यह लेक फ्रंट शहर को नई पहचान देगा। उन्होंने अधिकारियों को परिसर में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बाबा गरीबनाथ और शहीद जुब्बा सहनी सहित जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को नमन किया।

एमआईटी मुजफ्फरपुर परिसर में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना, स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज परियोजनाओं और मुजफ्फरपुर स्मार्ट सिटी योजना से जुड़ी परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने बताया कि 673 योजनाओं का उद्घाटन और 309 योजनाओं का शिलान्यास किया गया है, जिससे शहरी आधारभूत संरचना, जल निकासी व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं में व्यापक सुधार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार तेजी से विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है और आधुनिक आधारभूत संरचना का निर्माण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य में 12 नए टाउनशिप विकसित किए जाएंगे, जिनमें मुजफ्फरपुर में तिरहुत टाउनशिप की स्थापना भी शामिल है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि मुजफ्फरपुर एयरपोर्ट का निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। पटना-मुजफ्फरपुर रैपिड रेल कॉरिडोर बनने से दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय लगभग 40 मिनट रह जाएगा। वहीं हल्दिया-रक्सौल हाईवे बनने से मुजफ्फरपुर की कनेक्टिविटी और मजबूत होगी तथा व्यापार और आवागमन को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के बाद मुजफ्फरपुर से कोलकाता की यात्रा लगभग छह घंटे में पूरी की जा सकेगी।उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सीतामढ़ी में माता सीता के भव्य मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है।उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि मुजफ्फरपुर स्थित एमआईटी परिसर में आर्किटेक्चर एवं सिविल इंजियरिंग विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। यह संस्थान तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार का प्रमुख केंद्र बनेगा तथा बिहार के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध कराएगा।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ₹रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म₹ के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है और बिहार भी उसी गति से विकास की नई इबारत लिख रहा है। उन्होंने कहा कि जो बिहार कभी विकास के मामले में पिछड़ा माना जाता था, वह आज देश के अग्रणी राज्यों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी पात्र गरीब सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा गायत्री शक्तिपीठ में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर संगोष्ठी

सहरसा, (एजेंसी) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फ्रर) अपनी स्थापना के 100 वर्ष (शताब्दी वर्ष) पूरे होने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहरसा द्वारा गायत्री शक्तिपीठ में 'युवा संवाद' के तहत राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर रविवार को एक संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य ट्रस्टी डॉ. अरुण कुमार जायसवाल, विभाग प्रचारक सुमित जी और सिंडिकेट सदस्य मेजर डॉ. गौतम कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया।संवाद कार्यक्रम में शहर के बड़ी संख्या में युवाओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस संगोष्ठी में मुख्य ट्रस्टी डॉ अरुण कुमार जायसवाल ने राष्ट्र निर्माण के प्रति युवाओं के दायित्वों और उनकी ऊर्जा को सही दिशा देने पर विशेष जोर दिया। उनहोंने इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा कि सेवा, संगठन, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कृति का संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संस्कारित, संगठित और जागरूक युवा ही विकसित, आत्मनिर्भर एवं गौरवशाली भारत के निर्माण की मजबूत आधारशिला रख सकते हैं।

उन्होंने युवाओं को समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की प्रेरणा दी। आर एस एस के विभाग प्रचारक सुमितजी. ने कहा कि भारत आज अनेक सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन चुनौतियों का स्थायी और प्रभावी समाधान तभी संभव है, जब देश का युवा वर्ग राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के प्रति सजग बने।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जदयू जिलाध्यक्ष पहुंचे कार्यक्रम स्थल, लिया जायजा

भागलपुर, (एजेंसी) : जिले के गोराडीह प्रखंड अंतर्गत काशील गांव में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर रविवार को जदयू जिलाध्यक्ष शश विवेकानंद गुप्ता कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और तैयारियों का जायजा लिया।इस दौरान उन्होंने भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष शाह के साथ जिलाधिकारी अलंकृता पांडे से कार्यक्रम की रूपरेखा, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यकताओं से समन्वय बनाकर सभी व्यवस्थाएं समय पर एवं सुचारु रूप से पूर्ण करने का आग्रह किया। विवेकानंद गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का यह प्रस्तावित दौरा क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उनके आगमन से विकास कार्यों को नई गति मिलेगी तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को और अधिक बल प्राप्त होगा। इस अवसर पर जदयू प्रवक्ता शैलेन्द्र तोमर, भाजपा महामंत्री नीतेश सिंह, दयानंद, भाजपा नेता इं श्रीकांत, जदयू के मोहम्मद हशीम, संजीत राय, संदीप कुमार तथा जदयू नेत्री यासमीन परवीन सहित अनेक गणमान्य लोग एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नवादा के 20 केंद्रों पर अवर निरीक्षक मद्य निषेध पद पर चयन परीक्षा संपन्न

नवादा,(एजेंसी) : बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग द्वारा अवर निरीक्षक मद्य निषेध पद पर चयन हेतु आयोजित लिखित परीक्षा रविवार को नवादा के 20 परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराई गई।परीक्षा के सफल एवं निष्पक्ष संचालन का जायजा लेने हेतु जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने कन्हाई इंटर विद्यालय, के.एल.एस. कॉलेज एवं मध्य विद्यालय, केंदुआ परीक्षा केन्द्र का भ्रमण कर परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने परीक्षा कक्षों, अभ्यर्थियों के प्रवेश, सुरक्षा व्यवस्था, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस बल की तैनाती सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

जिले के सभी 20 परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई थी। परीक्षा के सुचारु संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी रखी गई तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।परीक्षा में कुल 10,056 अभ्यर्थियों को सम्मिलित होना था, जिनमें से 5,809 अभ्यर्थी उपस्थित हुए तथा 4,247 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

भागलपुर में 5.21 करोड़ की स्ट्रीट लाइट योजना का चौथी बार टेंडर जारी, पहले चयनित एजेंसी को वर्क ऑर्डर से पहले ही किया गया बाहर

भागलपुर, (एजेंसी) : भागलपुर शहर के सभी 51 वार्डों में नई स्ट्रीट लाइट लगाने की 5.21 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी परियोजना एक बार फिर चर्चा में है। भागलपुर नगर निगम ने इस योजना के लिए चौथी बार ई-टेंडर जारी किया है। खास बात यह है कि तीसरे चरण की निविदा प्रक्रिया में एक एजेंसी का चयन हो चुका था, लेकिन उसे कायार्देश (वर्क ऑर्डर) जारी करने से पहले ही निविदा रद्द कर दी गई। इसके बाद नए सिरे से टेंडर जारी होने से निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। नगर निगम के अनुसार, इस परियोजना पर 5 करोड़ 21 लाख 65 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। योजना के तहत शहर के सभी 51 वार्डों में नई स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी, जिससे अंधेरे वाले क्षेत्रों में रोशनी की बेहतर व्यवस्था होगी और नागरिकों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। परियोजना के लिए राशि 15वें एवं छठे वित्त आयोग से प्राप्त अनुदान से खर्च की जाएगी।

- सशक्त स्थायी समिति ने उठाए सवाल

जानकारी के अनुसार, नगर निगम की सशक्त स्थायी समिति की बैठक में सदस्यों ने यह सवाल उठाया कि जब पिछली निविदा प्रक्रिया में एजेंसी का चयन हो चुका था, तो उसे कायार्देश क्यों नहीं दिया गया। समिति द्वारा स्पष्टीकरण मांगे जाने के बाद निगम प्रशासन ने पूर्व की निविदा रद्द कर नई ई-टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी। इस निर्णय के बाद शहर में विभिन्न तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं और पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

- काम में तेजी के लिए शहर को पांच जोन में बांटा गया

नगर निगम का दावा है कि इस बार कार्य को अधिक व्यवस्थित और समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए पूरे शहर को पांच पैकेज (जोन) में विभाजित किया गया है, ताकि अलग-अलग एजेंसियों के माध्यम से समानांतर रूप से काम कराया जा सके। पैकेजवार अनुमानित लागत इस प्रकार निर्धारित की गई है-पैकेज-1 (वार्ड 1 से 10): 84.90 लाख रुपये पैकेज-2 (वार्ड 11 से 20): 80.62 लाख रुपये

पैकेज-3 (वार्ड 21 से 30): 1.14 करोड़ रुपय पैकेज-4 (वार्ड 31 से 39): 1.02 करोड़ रुपये पैकेज-5 (वार्ड 40 से 51): 1.39 करोड़ रुपये

- 24 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन

नगर निगम द्वारा जारी निविदा सूचना के अनुसार, इच्छुक एजेंसियां 16 जुलाई से 24 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी। तकनीकी बोली 24 जुलाई को खोली जाएगी, जबकि निविदा से संबंधित शंकाओं के समाधान के लिए 17 जुलाई को प्री-बिड बैठक आयोजित की जाएगी। टेंडर की शर्तों के मुताबिक, चयनित एजेंसियों को कायार्देश जारी होने के 90 दिनों के भीतर संबंधित क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य पूरा करना होगा। निविदा की वैधता 120 दिन निर्धारित की गई है, जबकि आवेदन शुल्क 10 हजार रुपये रखा गया है।

- पारदर्शिता पर उठ रहे सवाल

पहले से चयनित एजेंसी को कायार्देश दिए बिना टेंडर रद्द कर चौथी बार नई निविदा जारी किए जाने को लेकर विपक्षी दलों और स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि नगर निगम को यह स्पष्ट करना चाहिए कि पूर्व में चयनित एजेंसी का वर्क ऑर्डर किन कारणों से रोका गया और निविदा क्यों रद्द करनी पड़ी। वहीं, नगर निगम प्रशासन का कहना है कि नई निविदा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी और इससे कार्य समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सकेगा। अधिकारियों का दावा है कि योजना पूरी होने के बाद शहर के सभी 51 वार्डों में बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित होगी, जिससे नागरिकों को राहत मिलेगी।

पटना में शराब पीते पकड़ा गया पुलिसकर्मी, मेडिकल जांच में पुष्टि के बाद केस दर्ज, विभागीय कार्रवाई भी तय

पटना, (एजेंसी) : बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद राजधानी पटना में एक पुलिसकर्मी के शराब के नशे में पाए जाने का मामला सामने आया है। रामकृष्णानगर थाना क्षेत्र में एक पुलिसकर्मी का कथित तौर पर नशे की हालत में घूमते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की। मेडिकल जांच में शराब सेवन की पुष्टि होने पर संबंधित जवान के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया।पुलिस के अनुसार, यह मामला रामकृष्णानगर थाना क्षेत्र के खेमनीचक इलाके का है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक पुलिसकर्मी संदिग्ध अवस्था में दिखाई दे रहा था। वीडियो सामने आने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया और जांच के दौरान उसकी पहचान विनोद राम के रूप में की गई। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस टीम ने विनोद राम को हिरासत में लेकर निर्धारित प्रक्रिया के तहत उनका चिकित्सीय परीक्षण कराया। मेडिकल जांच में शराब सेवन की पुष्टि होने पर उनके खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी पुलिसकर्मी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, विनोद राम का नाम इससे पहले भी शराब सेवन से जुड़े एक मामले में सामने आया था। उस समय विभागीय कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित किया गया था। अब दूसरी बार शराब पीने की पुष्टि होने के बाद उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर-02) रंजन कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। वीडियो में दिखाई दे रहे पुलिसकर्मी की पहचान कर उसे हिरासत में लिया गया और मेडिकल जांच कराई गई।

संपादकीय

नेतन्याहु के मकड़जाल में फंसकर फड़फड़ा रहे ट्रंप?

28 फरवरी को इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर व्यापक हमले किए, जिसके बाद से पूरा मध्य पूर्व इस सैन्य संघर्ष की चपेट में आ गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था, एक सप्ताह के अंदर ईरान में सत्ता बदल जाएगी। मोसाद और इजराइल की नेतन्याहू सरकार ने जिस तरह से ईरान में सत्ता पलटने की कोशिश की थी, ईरान में आंदोलन बड़े पैमाने पर हो रहे थे। इसी बीच ईरान पर हमला किया गया। इजराइल और अमेरिका ने कभी सोचा भी नहीं था कि ईरान उन्हें इस तरह से जवाब देगा। अमेरिका और इजराइल की जो सबसे बड़ी गलती थी, उसमें ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई सहित उनके परिवार के पांच सदस्यों की हत्या तथा स्कूल में किए गए हमले में 165 से ज्यादा बच्चियों की मौत ने युद्ध के सारे समीकरण बदल दिए। मोसाद, अमेरिका और इजराइल के खिलाफ ईरान की जनता भड़क गई। ईरान के रणनीतिकारों ने इसे अपने अस्तित्व का संकट मानकर जिस तरह से रूस और चीन के साथ-साथ होर्मूज स्टेट को अपना हथियार बनाया, उसने तमाम दावों को गलत साबित कर दिया। जिस तरह से मोसाद का सफाया ईरान से किया गया, अरब देशों में अमेरिका के जो सैन्य ठिकाने बने थे ईरान ने अपने जवाबी हमले में उन्हें नष्ट किया। इसकी कल्पना कभी भी अमेरिका और इजराइल ने नहीं की थी।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गाजा में जिस तरह का नरसंहार कर रहे थे, उनके ऊपर भ्रष्टाचार के भारी आरोप लगे हुए थे। नेतन्याहु ने स्वयं को बचाने के लिए जिस तरह से अमेरिका का उपयोग किया, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने मकडजाल में फंसाया, उसके बाद से अमेरिका बुरी तरह से फंसता चला गया। पिछले 4 महीने में अमेरिका ने तीन बार युद्ध से बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे। हर बार इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कारण कोई भी बातचीत परिणाम तक नहीं पहुंच सकी है। अब तो यह साफ दिखने लगा है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। इजराइल में कुछ महीने पश्चात चुनाव होने जा रहे हैं। अमेरिका के कुछ राज्यों में चुनाव अगले कुछ महीनो में होना है। दोनों ही नेताओं की लोकप्रियता में बड़ी तेजी के साथ कमी आई है और दोनों ही अपने अस्तित्व की लड़ाई को लड़ रहे हैं।

ईश्वर से की गई प्रार्थना इन शक्तियों को विकसित करने में मदद करती है।
:अब्दुल कलाम

लोगों के लिए उदाहरण स्थापित करना दूसरों को प्रभावित करने का एक मात्र साधन है।
: अल्बर्ट आइंस्टीन

भूतो,न भविष्यति:,इस्सयोग आध्यात्मिक क्रांति

ब्रह्मलीन महात्मा सुशील कुमार जी के 89वें महाअवतरण दिवस पर विशेष आलेख

विज्ञान,तकनीक और भौतिक उपलब्धियों के इस युग में मनुष्य ने पृथ्वी से लेकर अंतरिक्ष तक अपनी विजय का परचम लहरा दिया है। जीवन पहले की अपेक्षा अधिक सुविधासंपन्न हुआ है,संचार के साधनों ने दूरियों को समाप्त कर दिया है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का युग मानव सभ्यता को नई दिशा दे रहा है।इसके बावजूद यदि कोई सबसे बड़ी चुनौती हमारे सामने खड़ी है,तो वह है-मनुष्य के भीतर बढ़ती मानसिक अशांति,तनाव, अकेलापन और आत्मिक रिक्तता।बाहरी समृद्धि के बीच भी भीतर का मन शांति की तलाश में भटक रहा है।ऐसे समय में भारतीय अध्यात्म की सनातन परम्परा पुनः प्रासंगिक हो उठती है,जिसने सदैव मनुष्य को बाहर नहीं,अपने भीतर झाँकना सिखाया है।भारत की महान गुरु- शिष्य परम्परा का इतिहास केवल धार्मिक आस्था का इतिहास नहीं, बल्कि आत्मबोध,लोककल्याण और मानवीय मूल्यों का इतिहास है।जब-जब समाज दिशाहीन हुआ,तब-तब किसी संत - महापुरुष ने स्वयं इस धरा परअवतरित होकर मानवता को नया मार्ग दिखाया।इन महापुरुषों ने केवल प्रवचन नहीं दिए,बल्कि अपने जीवन को ही संदेश बना दिया।ब्रह्मलीन महात्मा सुशील कुमार जी ऐसे ही विरल संतों में गिने जाते हैं,जिन्होंने आध्यात्मिक साधना को जन-जन तक पहुँचाने का एक सहज,सरल और अनुभवपरक मार्ग प्रदान किया,जिसे आज विश्व इस्सयोग के नाम से जानता है। 13 जुलाई केवल उनकी जन्मतिथि नहीं,बल्कि हजारों-लाखों साधकों के लिए आत्ममंथन,साधना और गुरु-चिंतन का पावन दिवस है।वर्ष 1938 में बिहार के भोजपुर जनपद में वैदिक विद्वान श्री श्रीशचंद्र शास्त्री तथा पूजनीया कर्पूर कमला जी के घर जन्मे महात्मा सुशील कुमार जी को अध्यात्म विरासत में मिला।उनके पिता चारों वेदों के प्रकाण्ड ज्ञाता, संस्कृत के विद्वान तथा आर्य समाज के प्रतिष्ठित आचार्य थे।भारत सरकार उन्हें थाईलैंड,श्रीलंका सहित अनेक देशों में वेद और संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए भेजती थी।माता कर्पूर कमला जी भी विदुषी,तेजस्विनी और समाज सेवा के प्रति समर्पित थीं।ऐसे संस्कारमय वातावरण में बालक सुशील के मन में बचपन से ही सत्य,ईश्वर और जीवन के रहस्यों को जानने की जिज्ञासा जाग उठी।बाल्यावस्था में उन्हें गायत्री मंत्र और वैदिक संस्कारों की शिक्षा मिली।पिता उन्हें बताते थे कि सच्ची श्रद्धा से किया गया जप मनुष्य के भीतर अद्भुत परिवर्तन ला सकता है।यही संस्कार आगे चलकर उनके आध्यात्मिक चिंतन की आधारशिला बने।जैसे-जैसे आयु बढ़ी,उनकी जिज्ञासा कर्मकाण्ड से आगे बढ़कर उस परम सत्य की खोज में परिवर्तित होती गई,जो प्रत्येक जीव के भीतर विद्यमान है।महात्मा सुशील कुमार जी का जीवन इस बात का प्रमाण है कि आध्यात्मिकता और कर्मयोग एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं।उन्होंने वर्ष 1961 में सिविल इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की और बाद में विधि की पढ़ाई भी पूरी की।बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग में अभियंता के रूप में उनका प्रशासनिक जीवन प्रारम्भ हुआ। महात्मा गांधी सेतु के निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। बोकारो इस्पात परियोजना सहित अनेक राष्ट्रीय महत्व की योजनाओं में उन्होंने अपनी प्रतिभा और ईमानदारी का परिचय दिया। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी उन्होंने निर्भय होकर विकास कार्य सम्पन्न कराए।हरिजन छात्रावासों, शैक्षणिक संस्थानों और ग्रामीण विकास से जुड़े अनेक कार्य उनके नेतृत्व में पूरे हुए।उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उन्हें वर्ष 1997 में इंदिरा गाँधी प्रियदर्शिनी सम्मान से सम्मानित किया गया।किन्तु उनकी वास्तविक पहचान एक सफल अभियंता या कुशल प्रशासक भर नहीं थी।उनके भीतर का साधक निरंतर उस सत्य की खोज में लगा था,जिसे कोई पद,प्रतिष्ठा या पुरस्कार नहीं दे सकता। .उन्होंने संसार के उत्तरदायित्वों का पूर्ण निर्वहन करते हुए यह सिद्ध किया कि आध्यात्मिक उपलब्धि केवल हिमालय की गुफाओं में नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन की व्यस्तताओं के बीच भी प्राप्त की जा सकती है।वे कहा करते थे कि गृहस्थ आश्रम त्याग का नहीं,बल्कि साधना का श्रेष्ठतम आश्रम है।यदि जीवन में सच्चे सद्गुरु का सान्निध्य मिल जाए तो परिवार ही तपोवन बन जाता है और दैनिक कर्म ही साधना का माध्यम बन जाते हैं।यह विचार भारतीय दर्शन की उस महान परम्परा को पुनर्जीवित करता है, जिसमें राजा जनक जैसे गृहस्थ भी ब्रह्मज्ञानी कहलाए।18 मई 1963 को उनका विवाह पूज्य माँ विजया जी के साथ हुआ।यह केवल एक वैवाहिक संबंध नहीं था,बल्कि दो आध्यात्मिक यात्राओं का दिव्य संगम था।माँ विजया जी भी बाल्यकाल से ही ईश्वरभक्ति और साधना के प्रति समर्पित थीं।दोनों ने साथ-साथ साधना की कठिन राह तय की।प्रारम्भ में उन्हें एक लौकिक गुरु से दीक्षा मिली,किन्तु साधना की गहराइयों में उन्होंने अनुभव किया कि स्वयं सद्गुरु भगवान शिव उनका मार्गदर्शन कर रहे हैं।यह अनुभूति उनके जीवन की निर्णायक आध्यात्मिक घटना बनी।इसी साधना के परिणामस्वरूप जन्म हुआ इस्सयोग का–एक ऐसा सुक्ष्म साधना-पथ,जो किसी जाति,धर्म, भाषा या संप्रदाय की सीमाओं में बँधा नहीं है।महात्मा जी ने इसे सम्पूर्ण मानवता की साझा आध्यात्मिक धरोहर के रूप में प्रस्तुत किया।उनका उद्देश्य कोई नया पंथ स्थापित करना नहीं, बल्कि मनुष्य को उसके भीतर स्थित परम चेतना से जोड़ना था।वे कहा करते थे कि बाहरी पूजा,आडम्बर और कर्मकाण्ड तभी सार्थक हैं,जब उनका उद्देश्य अंतर्मन की शुद्धि हो।यदि मनुष्य अपने भीतर उतरना सीख जाए,तो परमात्मा की अनुभूति दूर नहीं रहती।इसी विश्वास के साथ उन्होंने इस्सयोग को सहज,सरल और अनुभवपरक साधना के रूप में जन-जन तक पहुँचाया।महात्मा सुशील कुमार जी ने घोषणा की थी -इस्सयोग न भूतो,न भविष्यति - एक आध्यात्मिक क्रांति है। उनका विश्वास था कि इस्सयोग की लयावस्था साधना साधक को बहुत कम समय में उस आत्मिक शांति का अनुभव करा सकती है,जिसकी खोज में लोग वर्षों तक भटकते रहते हैं।उन्होंने यह भी कहा कि एक समय आएगा जब इस्सयोग विश्व के विशाल भूभाग तक पहुँचेगा और मानवता के आध्यात्मिक पुनर्जागरण का माध्यम बनेगा।आज जब मनुष्य बाहर की दुनिया जीत चुका है, लेकिन स्वयं से हारता जा रहा है, तब महात्मा सुशील कुमार जी का यह संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है कि वास्तविक विजय बाहर नहीं,भीतर प्राप्त होती है।श्रद्धा,सेवा,समर्पण और आत्मबोध - यही वह चार स्तंभ हैं जिन पर सुखी व्यक्ति,स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है।महात्मा सुशील कुमार जी का सम्पूर्ण जीवन इसी सत्य का साक्षात उदाहरण था।उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि संसार छोड़कर ही ईश्वर की प्राप्ति संभव है।उनका स्पष्ट मत था कि परिवार,समाज और अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करते हुए भी साधना के सर्वोच्च शिखर तक पहुँचा जा सकता है।उनके व्यक्तित्व में कर्मयोग,ज्ञानयोग,भक्तियोग और राजयोग का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है।यही कारण है कि उनके संपर्क में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति केवल प्रभावित ही नहीं होता था,बल्कि अपने जीवन को नई दिशा देने के लिए प्रेरित भी होता था।महात्मा जी का मानना था कि अध्यात्म का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को मनुष्य से जोड़ना है। यदि साधना के बाद भी अहंकार, द्वेष,ईर्ष्या और भेदभाव बना रहे, तो वह साधना अधूरी है।सच्चा साधक वही है,जिसके भीतर करुणा,सेवा, विनम्रता और समर्पण का भाव स्वतः विकसित होने लगे।इस्सयोग की साधना इसी आंतरिक परिवर्तन का माध्यम है।यह मनुष्य को बाहर की नहीं,भीतर की यात्रा पर ले जाती है। वहीं से जीवन का वास्तविक रूपांतरण प्रारम्भ होता है।आज का समाज अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। विज्ञान और तकनीक ने जीवन को गति दी है,किन्तु इस तीव्र गति ने मनुष्य के भीतर धैर्य और संतुलन को भी चुनौती दी है। परिवारों में संवाद कम हो रहे हैं,सामाजिक रिश्तों में आत्मीयता घट रही है और युवा पीढ़ी अनेक प्रकार के मानसिक दबावों से जूझ रही है। ऐसे समय में यदि अध्यात्म को केवल कर्मकाण्ड के रूप में देखा जाएगा,तो वह समाज की अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर पाएगा। आवश्यकता उस अध्यात्म की है, जो जीवन को सरल बनाए,मन को स्थिर करे और व्यक्ति को अपने वास्तविक स्वरूप का बोध कराए। इस दृष्टि से इस्सयोग का संदेश समकालीन समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक दिखाई देता है।महात्मा सुशील कुमार जी का विश्वास था कि आने वाला समय केवल आर्थिक या तकनीकी प्रतिस्पर्धा का नहीं होगा,बल्कि आध्यात्मिक जागरण का भी होगा।भौतिक प्रगति तभी सार्थक होगी,जब उसके साथ नैतिकता,संवेदनशीलता और आत्मिक चेतना का विकास भी होगा।उन्होंने अपने साधकों से केवल ध्यान करने का आग्रह नहीं किया,बल्कि सेवा को साधना का अभिन्न अंग बनाया।उनका कहना था कि जिस साधना का परिणाम समाज के कल्याण में दिखाई न दे, वह साधना अपने उद्देश्य को पूर्ण नहीं करती।उनके जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अध्याय 13 जुलाई 2003 से जुड़ा है।इसी पावन दिन उन्होंने अपने मानस संतानों के भौतिक कल्याण और लोकमंगल की भावना से पूज्य सद्गुरुदेव-माँ विजया जी के माध्यम से दिल्ली में शक्ति पिंड माँ मनोकामना देवी की स्थाई स्थापना का शुभारंभ कराया। सन 2000 में उन्होंने सहज भाव से कहा था कि भविष्य में साधकों की संख्या इतनी बढ़ेगी कि यह स्थान छोटा पड़ जाएगा और शक्ति पिंड माँ मनोकामना देवी की स्थायी स्थापना करनी पड़ेगी।समय बीतने के साथ उनकी यह भविष्यवाणी अक्षरशः सत्य सिद्ध हुई।बाद में अंतरराष्ट्रीय इस्सयोग समाज के समर्पित सचिव के एस वर्मा व वंदना वर्मा विशेष अनुरोध पर पूज्य सद्गुरुदेव माँ विजया जी के करकमलों से शक्ति पिंड माँ मनोकामना देवी मंदिर की स्थायी स्थापना सम्पन्न हुई।आज यह स्थान केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि असंख्य श्रद्धालुओं की आस्था,साधना, सेवा और आत्मिक ऊर्जा का जीवंत केंद्र बन चुका है। देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी साधक यहाँ पहुँचकर अपने सद्गुरुदेव के प्रति श्रद्धा अर्पित करते हैं और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करते हैं।प्रतिवर्ष महाअवतरण दिवस का आयोजन केवल स्मृति का कार्यक्रम नहीं होता,बल्कि गुरु-परम्परा के मूल संदेश - श्रद्धा,सेवा और समर्पण–को जीवन में उतारने का संकल्प भी होता है।गुरु का सम्मान केवल पुष्प अर्पित करने से नहीं,बल्कि उनके बताए मार्ग पर चलने से सिद्ध होता है।यही वह संदेश है,जो महात्मा सुशील कुमार जी ने अपने सम्पूर्ण जीवन से दिया।व्यक्तिगत रूप से मुझे भी उनके सान्निध्य में कुछ अमूल्य क्षण बिताने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।उन क्षणों की स्मृति आज भी मेरे लिए आध्यात्मिक प्रेरणा का स्रोत है।मैंने निकट से अनुभव किया कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान नहीं देता,बल्कि साधक के भीतर सोई हुई चेतना को जागृत कर देता है।उसकी दृष्टि में न कोई बड़ा होता है और न छोटा; सभी आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं।यही समभाव किसी भी महान आध्यात्मिक परम्परा की सबसे बड़ी पहचान है।आज जब अन्तर्राष्ट्रीय इस्सयोग समाज के श्रद्धालु इस्सयोगीयों द्वारा ब्रह्मलीन महात्मा सुशील कुमार जी का 89 वाँ महाअवतरण दिवस मना रहे हैं, तब यह केवल श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर नहीं,बल्कि उनके विचारों की समकालीन प्रासंगिकता पर गंभीर चिंतन का भी समय है। यदि मानवता को स्थायी शांति, सामाजिक समरसता और नैतिक पुनर्जागरण की दिशा में आगे बढ़ना है,तो उसे विज्ञान और अध्यात्म, विकास और मूल्य, प्रगति और करुणा - इन सभी के बीच संतुलन स्थापित करना होगा।महात्मा जी का जीवन इसी संतुलन का सजीव उदाहरण है।उनकी सबसे बड़ी विरासत कोई भौतिक उपलब्धि नहीं,बल्कि वह आध्यात्मिक चेतना है,जिसे उन्होंने इस्सयोग के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया। उनका विश्वास था कि जब मनुष्य स्वयं को पहचान लेता है,तभी वह संसार को सही अर्थों में समझ पाता है।आत्मबोध से ही सेवा का जन्म होता है,सेवा से समर्पण का और समर्पण से ईश्वरानुभूति का।उनके श्रीचरणों में यही विनम्र श्रद्धांजलि है कि हम उनके बताए मार्ग पर चलने का प्रयास करें,अपने जीवन में सदाचार,करुणा और सेवा को स्थान दें तथा आध्यात्मिकता को केवल पूजा तक सीमित न रखकर अपने व्यवहार का हिस्सा बनाएँ। यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धा होगी और यही इस्सयोग की आध्यात्मिक क्रांति का वास्तविक विस्तार भी।परम आराध्य ब्रह्मलीन महात्मा सुशील कुमार जी एवं पूज्य सद्गुरुदेव माँ विजया जी के श्रीचरणों में कोटिशः प्रणाम।

विनोद कुमार सिंह तकियावाला

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7571

★★★★☆ मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7570 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

दैनिक पंचांग

13 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

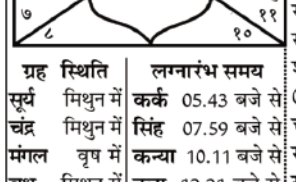

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	**कर्क**	05.43 बजे से
चंद्र	मिथुन में	**सिंह**	07.59 बजे से
मंगल	वृष में	**कन्या**	10.11 बजे से
बुध	मिथुन में	**तुला**	12.21 बजे से
गुरु	कर्क में	**वृश्चिक**	14.36 ब.से
शुक्र	सिंह में	**धनु**	16.52 बजे से
शनि	मीन में	**मकर**	18.57 बजे से
राहु	कुंभ में	**कुंभ**	20.44 बजे से
केतु	सिंह में	**मीन**	22.16 बजे से
		मेष	23.47 बजे से
		वृष	01.27 बजे से
		मिथुन	03.25 बजे से

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

सोमवार 2026 वर्ष का 194 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 18.50 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 05.42 बजे तदनन्तर आर्द्रा 02.52 बजे रात्र को समाप्त। **योग** ध्रुव 16.01 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 08.40 बजे, शकुनि 18.50 बजे तदनन्तर चतुष्पद 05.01 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 51'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872769
जूलियन दिन 2461234.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना मोहर्रम **तारीख** 27

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	**चर**	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	**रोग**	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	**काल**	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	**लाभ**	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	**उद्वेग**	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	**शुभ**	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	**अमृत**	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	**चर**	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

साम्राज्वाद के विरोध में ईरान का प्रतीक: बंद मुट्ठी

ईरानी सुप्रीम लीडर शहीद आयतुल्लाह खामनेई की पिछले दिनों 4 से 9 जुलाई के मध्य हुई विश्व की सबसे बड़ी अंत्येष्टि को दुनिया ने देखा। लगभग एक सप्ताह तक चले अंत्येष्टि के इस आयोजन में ईरान व इराक में लगभग दो हजार किलोमीटर की शवयात्रा निकाली गयी, करोड़ों की भीड़ को विभाजित करने के लिये तेहरान साहित कई प्रमुख शहरों में नमाज-ए-जनाजा पढ़ाई गयी। यह ऐतिहासिक जनसैलाब न केवल अमेरिका इस्राईल के मिसाईल हमले में शहीद अपने रहबर व उनके शहीद परिजनों को रोते बिलखते हुये श्रद्धांजलि दे रहा था बल्कि भारी गुस्से का भी इजहार कर रहा था। लाखों लोग बदले का प्रतीक लाल परचम उठाये हुये थे जबकि सैकड़ों बैनर पोस्टर पर अंग्रेजी में किल ट्रंप लिखकर अमेरिका को ईरानियों का सीधा सन्देश भी दिया गया था। गम और गुस्से के संदेशों से भरे इन्हीं परचमों,पोस्टर्स व बैनर्स के बीच एक विशेष प्रतीक ने भी पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। यह था बंद व बुलंद मुट्ठी का प्रतीक। खबर है कि शहादत के वक़्त भी उनकी मुट्ठी बंधी हुई थी।

दरअसल बंद मुट्ठी का अर्थ आम तौर पर प्रतिरोध, एकजुटता, और संघर्ष को जारी रखने का संकेत होता है। आयतुल्लाह खामनेई की शहादत के संदर्भ में इसे उनके समर्थकों व राजनीतिक व धार्मिक पक्षों की तरफ से यह संदेश माना गया कि वे उनकी विरासत, उनके विचार और ईरान की मौजूदा सत्ता-रचना के साथ खड़े हैं। इतिहास गवाह है कि बंद मुट्ठी दुनिया भर में पहले भी कई वैश्विक आंदोलनों में खासकर साम्राज्यवादी शक्तियों के विरोध और दृढ़ता का प्रतीक रही है। इस प्रतीक को केवल शोक का ही नहीं, बल्कि ह्लहम पीछे नहीं हटेंगेह्व हम डटे रहेंगे व हमारा संकल्प दृढ़ है,हम संगठित हैं जैसे राजनीतिक संदेशों के रूप में भी समझा जाता है। इसी तरह खामनेई की शहादत के बाद जो पोस्टर लगाए गए, उनमें बंद मुट्ठी को उनकी सत्ता, विचारधारा और समर्थक नेटवर्क की निरंतरता के प्रतीक की तरह इस्तेमाल किया गया। इसका आशय यह भी हो सकता है कि उनके अनुयायी इसे केवल मृत्यु नहीं, बल्कि संघर्ष और प्रतिरोध के नए चरण की शुरूआत मान रहे हैं। वैसे भी दास्तान-ए-करबला से प्रेरणा लेने वाली शिया कौम में राजनीति और प्रतीकों में शोक, प्रतिशोध और न्याय की भाषा बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसलिए ऐसी छवियाँ भावनात्मक रूप से यह भी कहती हैं कि समुदाय अपने नेता की ह्लशहादतह्व या मृत्यु को निजी दुख के साथ-साथ सामूहिक संकल्प में बदल रहा है। बंद मुट्ठी का मतलब यह भी है कि हम शोक में तो जरूर हैं लेकिन हम कमजोर नहीं हैं और हम विरोध का अपना रास्ता भी जारी रखेंगे। बंद मुट्ठी का प्रतीक यह भी दशार्ता है कि हम कमजोर, बिखरे हुये या नेतृत्व-हीन नहीं हैं बल्कि हमारा संगठन, विचारधारा और सामूहिक अनुशासन अभी भी मजबूत है।

पोस्टर और प्रतीक केवल तर्क से नहीं, भावना से भी काम करते हैं। बंद मुट्ठी, शोक को क्रोध, स्मृति और प्रतिशोध की राजनीति में बदल देती है, जिससे समर्थकों में एक सामूहिक पहचान और ह्लहम बनाम वेह्व की भावना मजबूत होती है। ऐसे पोस्टर आंतरिक सत्ता-संघर्ष में भी काम आते हैं, क्योंकि वे उत्तराधिकार या नेतृत्व-रिक्ति के समय समर्थकों को एक धुरी के चारों ओर इकट्ठा करते हैं। इससे जनता को यह संदेश जाता है कि सत्ता या व्यवस्था अभी भी नियंत्रण में है और बिखराव नहीं हुआ। आम तौर पर ऐसे प्रतीक तीन स्तरों पर अपना व्यापक प्रभाव छोड़ते हैं। एक तो सड़क पर समर्थकों का मनोबल बढ़ाने में,दूसरा नेतृत्व की वैधता दिखाने और तीसरे अपने विरोधियों को यह संकेत देने में कि संघर्ष वैचारिक रूप से जारी रहेगा। इसलिए इसे केवल एक चित्र नहीं, बल्कि राजनीतिक संचार की रणनीति समझना चाहिए। साथ ही बाहरी दुनिया के लिए भी यह प्रतीक एक तरह की चेतावनी है कि ईरान-समर्थक धड़ा किसी भी स्वयंभू महाशक्ति के दबाव में झुकने वाला नहीं है। ईरान में शहीद खामनेई की अंत्येष्टि में करोड़ों शोकाकुल लोगों के बीच इस तरह के संकेत का पोस्टर बैनर्स में नजर आना साथ ही बार बार उपस्थित करोड़ों लोगों द्वारा गुस्से में यही प्रतीक बनाकर और बुलंद कर व अमेरिका, इजराइल के विरुद्ध गगनचुंबी नारे लगाकर प्रतिद्वंद्वियों को सीधा संदेश दिया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व उनके खास सहयोगी देश इस्राईल के साम्राज्यवादी इरादों को दुनिया देख ही रही है। गजा,फिलिस्तीन,लेबनॉन,सीरिया,यमन,ईरान,इराक,वेनेजुएला आदि अनेक देशों को बर्बाद करने में अमेरिका इस्राईल ने कोई कसर बाकी नहीं राखी। जब चाहे जिस देश को चाहें धमकियाँ देते रहते हैं। यहाँ तक की देश पर कब्जा करने की भी धमकी दे बैठते हैं। यह साम्राज्यवादी देश, दूसरे देशों की धन सम्पदाओं,प्राकृतिक संसाधनों यहाँ तक कि उनपर बलात कब्जा जमाकर उनकी संप्रभुता से खिलवाड़ करने की सोच रखते हैं। और अपने इन नापाक इरादों को पूरे करने के लिये बांटो और राज करो,पड़ोसी देशों में भय और अविश्वास पैदा करने जैसे घिनौने खेल खेलते हैं और इसी की आड़ में अपने हथियार बेचते हैं। दुनिया के तमाम देश इनकी ताकत की वजह से इनसे सीधे टकराव नहीं चाहते। परन्तु ईरान ने विश्व इतिहास में अब तक के इस मिथक को मिटा दिया है कि इन साम्राज्यवादी देशों का मुकाबला नहीं किया जा सकता।

सैन्य ताकत से लेकर राजनैतिक व कूटनीतिक सभी क्षेत्रों में स्वयंभू सर्वशक्तिमान अमेरिका,इस्राईल व इनका साथ देने वाले उसके सभी सहयोगियों को दिखा दिया कि सच्चाई के रास्ते पर चलते हुये बंद मुट्ठी की ताकत दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश को भी घुटनों पर ला सकती है।और अब दुनिया यह स्वीकार करने लगी है कि विश्व व्यवस्था अब सम्रज्ज्वादी अमेरिका के इशारों पर नहीं चलने वाली। ऐसे में सवाल यहउठता है कि क्या अब खामनेई की बंद मुट्ठी साम्राज्वाद के विरोध में ईरान का नया प्रतीक बनेगी?

तनवीर जाफरी

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पुणे की चीख — हम कचरा नहीं संभाल पाए तो शहर कैसे संभालेंगे?

पुणे के मोशी (पिंपरी-चिंचवड़) में 8 जुलाई 2026 को हुआ हादसा केवल एक इमारत का ढहना नहीं, बल्कि हमारे शहरी विकास मॉडल का ध्वंस था। पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका के वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र के पास वर्षों से जमा लेगेसी वेस्ट का पहाड़ 600 मिलीमीटर से अधिक वर्षा के बाद खिसका और तीन मंजिला प्रशासनिक भवन को निगल गया। लगभग 23 लोग मलबे में दबे, जिनमें 8 की मौत हो चुकी है, एक व्यक्ति अभी लापता है, कई घायल हुए और कई दिनों तक राहत अभियान चला। इसे प्राकृतिक आपदा कहना आसान है, लेकिन सच यह है कि बारिश ने केवल अंतिम धक्का दिया; दुर्घटना की नींव वर्षों की प्रशासनिक लापरवाही ने रखी थी। यह केवल पुणे की कहानी नहीं। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु सहित लगभग हर बड़ा शहर ऐसे कचरा-पर्वतों के साये में खड़ा है, जो विकास के नहीं, आने वाली त्रासदियों के मौन स्मारक हैं।

सबसे बड़ी भूल हमारी सोच में है। हमने कचरे को वैज्ञानिक चुनौती नहीं, आंखों से ओझल कर देने की वस्तु मान लिया। यही मानसिकता लैंडफिल को धीरे-धीरे कचरे के पहाड़ों में बदलती रही। लेगेसी वेस्ट मृत ढेर नहीं, बल्कि भीतर ही भीतर सक्रिय रासायनिक और जैविक प्रक्रियाओं का भंडार है। अवायवीय अपघटन (ऐनएरोबिक डीकम्पोज़िशन) से बनने वाली मीथेन, जहरीला लीचेट और वर्षा का पानी इसकी संरचना को लगातार कमजोर करते हैं। ऊपर से मिट्टी डाल देना, ढलान बना देना या हरियाली उगा देना समाधान नहीं, केवल आवरण है। पुणे में अधिकारियों ने भवन और कचरे के पहाड़ के बीच 30 मीटर की सुरक्षित दूरी का दावा किया, जबकि उपग्रह चित्रों में यह केवल 16-17 मीटर दिखी। यह फासला सिर्फ माप का नहीं, सरकारी दावों और जमीनी सच्चाई के बीच की दूरी का भी प्रमाण है।

इस त्रासदी की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जहां हादसा हुआ, वहीं वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र भी संचालित था। जिस परिसर का उद्देश्य कचरे को ऊर्जा में बदलना था, उसी के पास वर्षों से मौत का पहाड़ खड़ा रहा। वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्र संचालित करने वाली निजी कंपनी के कर्मचारी, जो कचरे को संसाधन बनाने में लगे थे, अंततः उसी कचरे की भेंट चढ़ गए। इससे बड़ा विरोधाभास क्या होगा? हमारी शहरी नियोजन व्यवस्था वर्षों से एक ही भूल दोहरा रही है–पहले शहर से दूर लैंडफिल बनाए जाते हैं, फिर शहर फैलकर उन्हें अपने बीच ले आता है। आसपास उद्योग, कार्यालय और आवास बस जाते हैं, लेकिन सुरक्षा इंतजाम नहीं बदलते। मजबूत रिटेनिंग वॉल, प्रभावी जल निकासी और रियल-टाइम निगरानी के बिना ऐसे कचरा-पर्वत कभी भी मौत का मंजर बन सकते हैं। पुणे ने केवल वही साबित किया है, जिसकी चेतावनी विशेषज्ञ वर्षों से देते रहे हैं।

भारत के शहरों की असली चुनौती कचरे की बढ़ती मात्रा नहीं, उसका अव्यवस्थित प्रबंधन है। रोज लाखों टन ठोस अपशिष्ट निकलता है, लेकिन स्रोत स्तर पर पृथक्करण आज भी अपवाद है। घरों, बाजारों और संस्थानों का जैविक, प्लास्टिक, धातु सहित पूरा कचरा एक साथ लैंडफिल पहुंचता है, जिससे पुनर्चक्रण की प्रक्रिया लगभग निष्प्रभावी हो जाती है। वर्षों तक सड़ता यही मिश्रित कचरा मीथेन गैस, जहरीला लीचेट, दुर्गंध और विषैला धुआं पैदा करता है। यह केवल पर्यावरण नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी गंभीर संकट है। जलवायु परिवर्तन से बढ़ती अत्यधिक वर्षा ने इन अस्थिर कचरा-पर्वतों को और घातक बना दिया है। यदि व्यवस्था नहीं बदली, तो पुणे जैसी त्रासदियां अलग-अलग शहरों में बार-बार दोहराई जाएंगी।इस संकट का समाधान सतही सुधारों में नहीं, बुनियादी बदलाव में है। सबसे पहले स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण सख्ती से लागू हो। केवल जागरूकता नहीं, प्रोत्साहन और दंड–दोनों साथ चलें। हर शहर में शून्य-कचरा वार्ड विकसित हों, जहां जैविक कचरे से स्थानीय स्तर पर कंपोस्ट बने और पुनर्चक्रण योग्य सामग्री सीधे उद्योगों तक पहुंचे। वर्षों से जमा लेगेसी वेस्ट का वैज्ञानिक बायोरिमेडिएशन और सुरक्षित कैपिंग राष्ट्रीय प्राथमिकता बने। साथ ही भूमि उपयोग नीति बदले–लैंडफिल के चारों ओर अनिवार्य बफर जोन हों, आवासीय और औद्योगिक निर्माण सुरक्षित दूरी पर रहे तथा उपग्रह, ड्रोन और सेंसर आधारित निगरानी से ढलानों की स्थिरता, मीथेन उत्सर्जन और वर्षा के प्रभाव पर लगातार नजर रखी जाए। तकनीक का उद्देश्य हादसे की जांच नहीं, उसकी पूर्व चेतावनी होना चाहिए।इस संकट का दूसरा नाम जवाबदेही है। सुरक्षा मानकों की अनदेखी, दूरी को लेकर भ्रामक दावे और संभावित खतरों की उपेक्षा के बीच कोई नीति सफल नहीं हो सकती। पुणे ने साबित कर दिया कि कागजी नियम और जमीनी हकीकत में गहरी खाई है। यही तस्वीर अनेक शहरों में दिखती है, जहां क्षमता से अधिक भरे लैंडफिल, खुले में जलता कचरा और विषैला धुआं आम दृश्य हैं। कचरा प्रबंधन को केवल नगर निगम का दायित्व मानने की सोच बदलनी होगी। परिपत्र अर्थव्यवस्था अपनाकर यही कचरा बोझ नहीं, संसाधन बन सकता है–जैविक कचरे से खाद, पुनर्चक्रण से कच्चा माल और वेस्ट-टू-एनर्जी संयंत्रों से स्वच्छ ऊर्जा। इसके लिए जनजागरूकता, निजी भागीदारी और कठोर प्रशासनिक अनुपालन समान रूप से आवश्यक हैं।

पुणे की त्रासदी एक कड़वा सच सामने लाती है। पर्यावरणीय संकट की सबसे बड़ी कीमत वही चुकाते हैं, जिनकी निर्णयों में सबसे कम भागीदारी होती है। कचरा प्रबंधन से जुड़े कर्मचारी, लैंडफिल के आसपास रहने वाले परिवार और सीमित संसाधनों पर निर्भर समुदाय सबसे पहले प्रदूषण, बीमारी और मौत के खतरे में आते हैं। जलवायु परिवर्तन से बढ़ती वर्षा यह जोखिम और बढ़ाएगी। इसलिए अब केवल सफाई नहीं, बल्कि शिक्षा, वैज्ञानिक आधारभूत संरचना, निगरानी, सुदृढ़ शहरी नियोजन और जवाबदेही लागू करनी होगी। पुणे चेतावनी दे रहा है कि यदि कचरे को विकास के हाशिए पर धकेलने की सोच नहीं बदली, तो हर शहर में 'मौत के ढेर' खड़े होंगे। किसी सभ्यता की पहचान इमारतों से नहीं, बल्कि कचरे के वैज्ञानिक और सुरक्षित प्रबंधन से होती है। भारत के सामने अब दो ही विकल्प हैं–कचरे को संसाधन बनाए या हर मानसून नई त्रासदी की प्रतीक्षा करे।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के 23 जिलों में बाढ़ की संभावना, काठमांडू में भी ऑरेंज फ्लड अलर्ट

काठमांडू। नेपाल के मौसम विभाग ने रविवार को २३ जिलों में बाढ़ आने की संभावना जताई है। इसके अलावा काठमांडू में 'ऑरेंज फ्लड अलर्ट' भी जारी किया गया है। देश की सभी प्रमुख नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण बाढ़ और अचानक आने वाली बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। बाढ़ पूर्वानुमान प्रभाग ने काठमांडू, भक्तपुर, ललितपुर और काभ्रेपलाञ्चोक जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसका अर्थ है कि इन क्षेत्रों की नदियों का जलस्तर चेतावनी स्तर से ऊपर पहुंचने की संभावना है, जिससे बाढ़ का खतरा अधिक है। प्रभाग के अनुसार, पाँचथर, ताप्लेजुङ, तेह्रथुम, धनकुटा, भोजपुर, सोलुखुम्बु, संखुवासभा, खोटाङ, ओखलढुंगा, उदयपुर, सिन्धुली, दोलखा, रामेछाप, सिन्धुपालचोक, नुवाकोट, रसुवा, धादिङ, मकवानपुर, रौतहट तथा आसपास के जिलों की नदियों का जलस्तर भी काफी बढ़ सकता है, जिससे फ्लैश फ्लड का मध्यम खतरा बना हुआ है। प्रभाग ने प्रभावित जिलों के नदी किनारे रहने वाले लोगों से विशेष सतर्कता बरतने तथा मौसम और बाढ़ संबंधी ताज़ा सूचनाओं पर लगातार नजर रखने की अपील की है। बाढ़ चेतावनी प्रणाली के अनुसार हरा (ग्रीन) रंग का अर्थ है कि नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर से नीचे है और बाढ़ का खतरा कम है। पीला (येलो) संकेत देता है कि जलस्तर चेतावनी स्तर के करीब पहुंच रहा है और बाढ़ का मध्यम जोखिम है। नारंगी (ऑरेंज) अलर्ट का मतलब है कि नदी का जलस्तर चेतावनी स्तर को पार कर चुका है और बाढ़ का खतरा अधिक है, जबकि लाल (रेड) अलर्ट का अर्थ है कि जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है और गंभीर प्रकार की आशंका है।

सरकारी प्रतिबद्धताओं की निगरानी के लिए नेपाल पीएमओ में बनेगी 'पीएम डिलीवरी यूनिट'

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद् कार्यालय के अंतर्गत प्रधानमंत्री डिलीवरी यूनिट स्थापित की जाएगी। यह यूनिट मंत्रिपरिषद् से स्वीकृत 18 सूत्रीय राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सरकारी निकायों के बीच समन्वय स्थापित करने और उनके कार्यान्वयन की निगरानी करेगी। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार ने इससे पहले 100 सूत्रीय सुशासन सुधार एजेंडा सार्वजनिक किया था। इसी एजेंडे के आधार पर 5 मार्च को हुए प्रतिनिधि सभा चुनाव में प्रतिनिधित्व हासिल करने वाले छह राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के घोषणापत्र, वादों और प्रतिबद्धताओं को समाहित करते हुए राष्ट्रीय प्रतिबद्धता दस्तावेज तैयार किया गया। इस दस्तावेज़ में शामिल कई प्रतिबद्धताओं को आगामी आर्थिक वर्ष 2026-27 की सरकारी नीति, कार्यक्रम और बजट में पहले ही शामिल किया जा चुका है। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद् कार्यालय के अनुसार मौजूदा नीति, कार्यक्रम और बजट में शामिल नहीं हो सकने वाली जो प्रतिबद्धताओं कों भविष्य के सुधार कार्यक्रमों में समाहित किया जाएगा। सभी प्रतिबद्धताओं को संबंधित मंत्रालयों और सरकारी निकायों की वार्षिक योजनाओं तथा बजट में शामिल कर उनके माध्यम से लागू किया जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि इन प्रतिबद्धताओं के समग्र क्रियान्वयन की निगरानी, प्रगति की समीक्षा और मंत्रालयों एवं सरकारी एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित कर समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पीएम डिलीवरी यूनिट का गठन किया जा रहा है। प्रस्तावित पीएम डिलीवरी यूनिट कोई नई अवधारणा नहीं है। सरकार के प्रदर्शन और जवाबदेही को बेहतर बनाने के लिए दुनिया के कई देशों में ऐसी इकाइयां पहले से कार्यरत हैं। ब्रिटेन में पूर्व प्रधानमंत्री के कार्यकाल में स्थापित प्रधानमंत्री डिलीवरी यूनिट इस मॉडल का सबसे प्रसिद्ध उदाहरण मानी जाती है। इसी तरह मलेशिया और रवांडा जैसे देशों में भी सरकार की प्राथमिकताओं के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए समान व्यवस्था लागू है। रवांडा में प्रधानमंत्री कार्यालय सरकारी कार्यक्रमों के समन्वय और राष्ट्रीय नीतियों के कार्यान्वयन की निगरानी में केंद्रीय भूमिका निभाता है।

अमरनाथ धाम के लिए 11वें जत्थे में 9,153 से ज्यादा तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा के बीच रवाना

जम्मू। सालाना अमरनाथ यात्रा के लिए रविवार सुबह कड़ी सुरक्षा के बीच 9,153 तीर्थयात्रियों का 11 वां जत्था जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। सुरक्षा कर्मियों और सिविल प्रशासन ने जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर तीर्थयात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित की। उनकी सुरक्षा, चिकित्सा सहायता, ट्रैफ़िक कंट्रोल और लॉजिस्टिकल सपोर्ट के लिए व्यापक इंतज़ाम किए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि इस नए जत्थे में 2,345 महिलाएं और 18 बच्चे हैं। तीर्थयात्रियों का 11वां जत्था 359 गाड़ियों में सवार होकर कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था के तहत दो अलग-अलग काफिलों में बेस कैंप से निकला। पहले काफिले में 3,429 तीर्थयात्री थे, जो सुबह 2:44 बजे गांदरबल ज़िले के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए। दूसरे काफिले में 5,724 तीर्थयात्री थे, जो सुबह 3:35 बजे अनंतनाग ज़िले के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए निकले। अधिकारियों के अनुसार इस साल तीर्थयात्रा में लोगों की भारी भागीदारी देखी गई है। 3 जुलाई को यात्रा शुरू होने के बाद से 2.30 लाख से ज़्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर के अंदर प्राकृतिक रूप से बने बर्फ़ के शिवलिंग के दर्शन और पूजा-अर्चना की है। 57 दिनों तक चलने वाली यह सालाना तीर्थयात्रा 28 अगस्त को रक्षा बंधन के त्योहार के साथ संपन्न होगी। अधिकारियों को उम्मीद है कि आने वाले हफ़्तों में भी तीर्थयात्रियों का आना जारी रहेगा।

♦ नए जत्थे में 2,345 महिलाएं और 18 बच्चे हैं

मणिपुर : झूम खेत में काम कर रहे कुकी किसान की गोली मारकर हत्या

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में झूम खेती के दौरान अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने एक कुकी किसान की गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि उनकी पत्नी किसी तरह सुरक्षित बच निकलने में सफल रहीं। मृतक की पहचान गोवाजंग गांव निवासी 53 वर्षीय हाओलाल सिंगसित के रूप में हुई है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, दंपति शनिवार शाम अपने झूम खेत में काम कर रहे थे, तभी करीब चार बजे अज्ञात हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। ग्रामीणों ने लगभग 20 राउंड गोलियां चलने की आवाज सुनने की बात कही है। शाम तक दंपति के घर नहीं लौटने पर ग्रामीणों ने तलाश शुरू की। खोज के दौरान खेत में हाओलाल सिंगसित का शव कई गोली के घावों के साथ बरामद हुआ, जबकि उनकी पत्नी सुरक्षित स्थान पर पहुंचने में सफल रहीं। कुछ स्थानीय संगठनों और ग्रामीणों ने हमले के लिए जेडयूएफ-के और एनएससीएन-आईएम के उग्रवादियों पर संदेह जताया है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने हमलावरों की पहचान की आधिकारिक पुष्टि नहीं की थी। यह घटना गोवाजंग गांव के निकट हाल ही में सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान चलाकर कई हथियार बरामद किए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है। तामेंगलोंग जिले की सीमा से सटे इस संवेदनशील क्षेत्र में हुई इस हत्या के बाद स्थानीय लोगों में एक बार फिर सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। मामले की जांच जारी है। गौरतलब है कि मणिपुर में झूम खेती, जिसे स्थानीय रूप से "पाम-लू" के नाम से जाना जाता है, पहाड़ी जनजातियों द्वारा अपनाई जाने वाली एक पारंपरिक झूम खेती है। इसमें वनों से ढकी ढलानों को साफ करना, वनस्पति को जलाना और फिर चावल, सब्जियों और नकदी फसलों की मिश्रित खेती के लिए बीज बोना शामिल है।

पीएम के पंजाब दौरे से पहले ट्रेन में खालिस्तानी नारे

एजेंसी, जालंधर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस (SFJ) ने जारी किया है। वीडियो में दिल्ली जाने वाली एक ट्रेन के डिब्बों पर 'खालिस्तान जिंदाबाद' और 'मोदी मुर्दाबाद' जैसे नारे लिखे दिखाई दे रहे हैं। SFJ के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी कर पंजाब में आतंकवाद के दौर के मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की विरासत का जिक्र करते हुए कथित एनकाउंटर मामलों को उठाया। हालांकि, दैनिक भास्कर पन्नू के वीडियो की पुष्टि नहीं करता।

जसवंत सिंह खालड़ा पर ही दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज बनी थी, जिसे रिलीज होने के दूसरे दिन ही OTT से हटा दिया गया था और अब पूरी तरह से बैन कर दिया गया है। इधर, वीडियो सामने आने के बाद खुफिया एजेंसियां स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही हैं। पुलिस उन लोगों की पहचान करने में जुटी है, जिन्होंने रात के अंधेरे

में ट्रेन के डिब्बों पर ये नारे लिखे। पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी किया है। पीएम का 15 और 17 जुलाई को लुधियाना और जालंधर दौरा प्रस्तावित हैं। पीएम इन दो दिन में किसी भी दिन आ सकते हैं। जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन की नई बनी बिल्डिंग का उद्घाटन करेंगे। इसी दिन वे चंडीगढ़ में भी 4 प्रोजेक्टों का उद्घाटन कर सकते हैं।

खालड़ा ने अज्ञात लाशों का ब्यौरा एकत्रित किया थाः खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा कि 90 के दशक में शहीद खालड़ा ने अज्ञात लाशों का ब्यौरा एकत्रित किया था। ये लोग सिख युवा, बुजुर्ग,

♦ आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी किया, खालड़ा का भी जिक्र, इन्हीं पर बनी 'सतलुज' बैन हुई

महिलाएं थे और इनको अज्ञात कहकर मार दिया गया था। जसवंत सिंह खालड़ा ने उनकी बात की थी। वह दौर था सिख नरसंहार का।

पन्नू ने मोदी को हिंदुस्तान का आतंकवादी कहाः पन्नू ने कहा ने प्रधानमंत्री मोदी को हिंदुस्तान का आतंकवादी कहा। उसने कहा कि पंजाब में अब आर्थिक नरसंहार किया जा रहा है। तब लाशें अज्ञात थीं। आज सिख की लाश आपके घर में ही है। उसको पहले ड्रग के साथ मारा जा रहा है, फिर पंजाब के किसानों को मजबूर किया जा रहा है कि वे खुदकुशी करें।

युवा खालिस्तान का झंडा पकड़ोः पन्नू ने युवाओं को भड़काते हुए कहा कि युवा आज जसवंत सिंह खालड़ा के कारण जागरूक हो चुके हैं। 17 जुलाई को खालिस्तान का झंडा पकड़ो और प्रधानमंत्री के सामने पहुंच जाओ, तब पता चलेगा कि आप जागरूक हैं।

पीएलएफआई को दोबारा सक्रिय करने की कोशिश में जुटा वांछित उग्रवादी राजेंद्र साहू गिरफ्तार

एजेंसी, खूंटी

खूंटी पुलिस ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) को दोबारा सक्रिय करने की कोशिश में जुटे वांछित उग्रवादी राजेंद्र साहू उर्फ राजेंद्र साव उर्फ मास्टर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक देसी पिस्टल और छह जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। गिरफ्तार उग्रवादी मुरहू थाना क्षेत्र के गम्हरिया गांव का रहने वाला है और लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से फरार चल रहा था।

रविवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने बताया कि राजेंद्र साहू पीएलएफआई के पुराने नेटवर्क को दोबारा सक्रिय और मजबूत करने की कोशिश कर रहा था। इसी बीच पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि वह अपने पैतृक गांव गम्हरिया पहुंचा हुआ है। सूचना की पुष्टि होने के बाद तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) विजय कुमार सिंह के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल में तोरपा थाना प्रभारी मनीष कुमार, कर्रा थाना प्रभारी राजू कुमार, सब इंस्पेक्टर मनीष कुमार तथा सशस्त्र

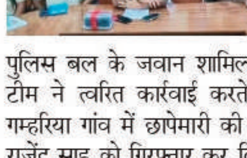

पुलिस बल के जवान शामिल थे। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गम्हरिया गांव में छापेमारी की और राजेंद्र साहू को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी पिस्टल और छह जिंदा कारतूस बरामद किए गए, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया।

एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हाल के दिनों में जिले में हुई कई आपराधिक और उग्रवादी घटनाओं में राजेंद्र साहू की संलिप्तता सामने आई है। उन्होंने बताया कि कर्रा रेलवे साइट और तोरपा स्थित गैस गोदाम में हुई फायरिंग की घटनाओं में भी उसकी भूमिका पाई गई है। पुलिस इन मामलों में उससे विस्तृत पूछताछ कर उसके अन्य सहयोगियों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, राजेंद्र साहू के खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में कुल सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें तोरपा, मुरहू और कर्रा थाना में दो-दो तथा खूंटी थाना में एक मामला शामिल है।

नक्सलियों के कई डंप बरामद, सोना, नकदी, हथियार और विस्फोटक जब्त

एजेंसी, दंतेवाड़ा

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में पुलिस और सुरक्षा बलों ने आत्मसमर्पित नक्सलियों की निशानदेही पर बारसूर थाना क्षेत्र के तोड़मा गांव के जंगल-पहाड़ी इलाके में छिपाकर रखे गए नक्सलियों के कई डंप बरामद किए हैं। कार्रवाई में 116 ग्राम सोना, दो लाख रुपये नकद, आधुनिक हथियार, बड़ी मात्रा में गोला-बारूद, विस्फोटक और अन्य नक्सली सामग्री जब्त की गई है। बरामद सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 18 लाख रुपये बताया गया है।

दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक गौरव राय ओ इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि अभियान की निगरानी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राम कुमार बर्मन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नक्सल ऑप्स) जितेंद्र कुमार खूंटे नेकी। पुलिस के अनुसार, हाल ही में आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटे नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को नक्सलियों के गुप्त डंप की सटीक जानकारी दी थी। इसके आधार पर संयुक्त टीमों ने तोड़मा के घने जंगलों में सर्च अभियान चलाया,

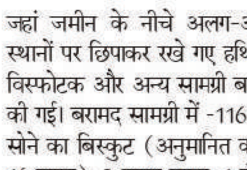

जहां जमीन के नीचे अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखे गए हथियार, विस्फोटक और अन्य सामग्री बरामद की गई। बरामद सामग्री में -116 ग्राम सोने का बिस्कुट (अनुमानित कीमत 16 लाख), 2 लाख नकद, 1 इंसास राइफल एवं 16 इंसास मैगजीन, 4 एके-47 मैगजीन और 68 राउंड, 23 एसएलआर मैगजीन एवं 34 राउंड, 5 बारह बोर बंदूकें और 7 कारतूस, 3 बीजीएल लॉन्चर एवं 1 बीजीएल सेल, 2 कार्बाइन मैगजीन, 303 के 8 राउंड एवं 45 चार्जर, 10 भरमार बंदूकें (टूटी-फूटी), 1 रिवॉल्वर, 1 एयरगन, 6 टिफिन बम, 4 पाइप बम, 122 तीर बम, 1 पैरा बम, जिलेटिन, 20 डेटोनेटर, कोडेक्स वायर का बंडल और 14 कुकर बम, नक्सली वर्दी का कपड़ा, दवाइयां, पर्चे-पाम्पलेट एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गई।

472.51 करोड़ के मादक पदार्थों के विनष्टीकरण अभियान का शुभारंभ, मुख्यमंत्री ने चलाया रोड रोलर

एजेंसी, नलबाड़ी (असम)

असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को नलबाड़ी जिले के दौलाशाल स्थित 14वीं असम पुलिस बटालियन परिसर में राज्यव्यापी मादक पदार्थ विनष्टीकरण अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत अगले 10 दिनों में 472.51 करोड़ रुपये मूल्य के जब्त मादक पदार्थों का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं रोड रोलर चलाकर असम पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा जब्त अवैध शराब को भी नष्ट किया।

कार्यक्रम में राज्य के वित्त मंत्री जयंत मल्लबरुवा, बरखेत्री के विधायक नारायण डेका सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। राज्य सरकार की नशा विरोधी मुहिम के तहत असम के सभी जिलों में भी इसी प्रकार के मादक पदार्थ विनष्टीकरण कार्यक्रम आयोजित

किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि राज्य सरकार 'नशामुक्त असम' के लक्ष्य को लेकर पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि असम पुलिस प्रतिवर्ष 1,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त कर रही है और तस्करों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। उनके अनुसार, पिछले पांच वर्षों में एनडीपीएस अधिनियम के तहत लगभग 3,300 मामले दर्ज किए गए हैं तथा 3,227 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं।

डॉ. सरमा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पहल पर विभिन्न राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होने से मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिली है। राज्य सरकार भविष्य में भी इस अभियान को और तेज करेगी तथा तस्करी में शामिल लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रखेगी। दौलाशाल में केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से उपलब्ध कराए गए ड्रग इन्सिनरेटर की सहायता से हेरोइन, गांजा, कफ सिरप, टैबलेट, कैप्सूल, अफीम, मॉर्फीन, मेथामफेटामाइन, याबा टैबलेट, कोकीन, पोस्ता के पौधे और पॉपी स्ट्रॉ सहित विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थों का पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण किया जाएगा।

इस अवसर पर असम भाजपा ने मुख्यमंत्री की पहल का स्वागत किया। पार्टी के वरिष्ठ प्रवक्ता ब्रजेन महंत ने इसे राज्य को नशामुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रभावी कदम बताया। अभियान के तहत जिन मादक पदार्थों का विनष्टीकरण किया जाएगा, उनमें 58.88 किलोग्राम हेरोइन (117.75 करोड़ रुपये), 37,796.34 किलोग्राम गांजा (188.98 करोड़ रुपये), 2,29,449 बोतल कफ सिरप (22.94 करोड़ रुपये), 4,96,712 टैबलेट एवं कैप्सूल (19.88 करोड़ रुपये), 79.77 किलोग्राम अफीम (3.98 करोड़ रुपये), 39.07 किलोग्राम मॉर्फीन (39.07 करोड़ रुपये), 18,70,922 याबा टैबलेट (74.84 करोड़ रुपये), 3.20 किलोग्राम मेथामफेटामाइन (4.80 करोड़ रुपये), 0.05 किलोग्राम कोकीन (23.55 लाख रुपये), 4.62 किलोग्राम पोस्ता के पौधे (2.54 लाख रुपये) तथा 9.49 किलोग्राम पॉपी स्ट्रॉ (1.42 लाख रुपये) शामिल हैं। इन सभी मादक पदार्थों का कुल अनुमानित मूल्य 472.51 करोड़ रुपये है।

इस्पात मंत्री कुमारस्वामी दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे बर्नपुर आईएसपी-डीएसपी परियोजनाओं की करेंगे समीक्षा

एजेंसी, पश्चिम बर्दवान

केंद्रीय इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी रविवार को अपने दो दिवसीय दौरे के तहत सेल के इस्को स्टील प्लांट (आईएसपी), बर्नपुर पहुंचे। उनका यह दौरा आईएसपी और दुर्गापुर स्टील प्लांट (डीएसपी) की उत्पादन क्षमता, विस्तार परियोजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, केंद्रीय मंत्री सुबह करीब 10 बजे अंडाल हवाई अड्डे पहुंचे, जहां सेल के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वे सड़क मार्ग से बर्नपुर पहुंचे। बर्नपुर हाउस में उनका औपचारिक स्वागत किया गया और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इस अवसर पर आईएसपी और डीएसपी के निदेशक प्रभारी (डीआईसी) सुरजीत मिश्रा, विभिन्न विभागों के कार्यकारी

निदेशक (ईडी), मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) तथा सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। दौरे के दौरान केंद्रीय मंत्री ने इस्पात सचिव और सेल के चेयरमैन की उपस्थिति में बर्नपुर हाउस परिसर में पौधारोपण किया। इसके बाद उन्होंने आईएसपी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर संयंत्र की वर्तमान उत्पादन स्थिति, क्षमता विस्तार, चल रही परियोजनाओं और भविष्य की विकास योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। निर्धारित कार्यक्रम के तहत दोपहर में केंद्रीय मंत्री कोक ओवन बैटरी-12 (सीओबी-12) सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान सीओबी-10 के लिए निर्मित नए जलाशय (रिजर्वायर) का उद्घाटन, 532 आवासों एवं प्रशासनिक भवनों के निर्माण के लिए भूमि पूजन तथा ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मेल्टिंग शॉप (एसएमएस) और यूनिवर्सल स्ट्रक्चरल मिल का निरीक्षण भी प्रस्तावित है। इसके बाद केंद्रीय मंत्री अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। साथ ही वे ऑफिसर्स एसोसिएशन और विभिन्न श्रमिक यूनियनों के प्रतिनिधियों से अलग-अलग मुलाकात कर उनकी समस्याओं, सुझावों और औद्योगिक विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। शाम करीब चार बजे केंद्रीय मंत्री

♦ उत्पादन क्षमता बढ़ाने, विस्तार योजनाओं और विकास कार्यों पर अधिकारियों के साथ मंथन, यूनियन प्रतिनिधियों से भी करेंगे संवाद

बर्नपुर से रवाना होकर दुर्गापुर हाउस पहुंचेंगे। सोमवार को वे दुर्गापुर स्टील प्लांट (डीएसपी) के विभिन्न विभागों, उत्पादन इकाइयों और विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे तथा अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी करेंगे।

केंद्रीय इस्पात मंत्री का यह दौरा सेल की विस्तार परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा, उत्पादन क्षमता बढ़ाने की रणनीति को गति देने तथा प्रबंधन और कर्मचारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हासीपहाड़ी में हथियार-जिंदा कारतूस के साथ झारखंड का युवक गिरफ्तार, चार दिन की पुलिस रिमांड

एजेंसी, पश्चिम बर्दवान

सालानपुर थाना क्षेत्र के हासीपहाड़ी स्थित केबल्स क्वार्टर इलाके से पुलिस ने एक युवक को देशी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। रविवार को आरोपित को आसनसोल जिला अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस अब उससे गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित की पहचान झारखंड के धनबाद जिले के चिरकुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुमारडूबी मैथन मोड़ निवासी 28 वर्षीय सागर यादव के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम रूपनारायणपुर पुलिस चौकी की गश्ती टीम हासीपहाड़ी स्थित केबल्स क्वार्टर इलाके में नियमित गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिसकर्मियों की नजर एक संदिग्ध युवक पर पड़ी। पुलिस वाहन को देखते ही वह भागने लगा। संदेह होने पर पुलिस ने

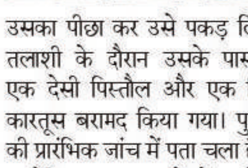

उसका पीछा कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपित का इस इलाके में पहले भी आना-जाना रहा है।

घटना वाले दिन वह केबल्स क्वार्टर क्षेत्र में किस उद्देश्य से आया था, इसका पता लगाने के लिए पुलिस जांच कर रही है। जांच अधिकारियों का कहना है कि आरोपित के पास से हथियार और कारतूस बरामद होने के बाद किसी बड़े अपराध की साजिश से इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस उसके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है। रूपनारायणपुर पुलिस चौकी की टीम रिमांड के दौरान आरोपित से पूछताछ कर रही है।

पुलिस ने पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए गिराई गई 10.9 किलो हेरोइन बरामद की

एजेंसी, तरनतारन

तरनतारन पुलिस ने रविवार को पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भारतीय क्षेत्र में गिराई गई 10 किलो 900 ग्राम हेरोइन बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बरामद हेरोइन की कीमत करीब 55 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार वल्टोहा पुलिस स्टेशन को देर रात सूचना मिली थी कि गांव लखना के बहकान के पास जसविंदर सिंह पुत्र बाली सिंह के खेतों में ड्रोन के जरिए कुछ पैकेट गिराए गए हैं। इसके बाद वल्टोहा थाने के हेड सब-इंस्पेक्टर विपिन कुमार पुलिस टीम के साथ गांव लखना पहुंचे और सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ मिलकर संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया।

तलाशी के दौरान पुलिस और सीमा सुरक्षा बल की टीम ने खेतों से एक प्लास्टिक बैग और कुछ खुले पैकेट बरामद किए। जब इनका वजन किया गया तो कुल 10 किलो 900 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने हेरोइन को जब्त कर लिया है। वल्टोहा पुलिस स्टेशन में अज्ञात तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सीमा पार तस्करी के इस नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है।

केंद्र सरकार देश में 10 से 19 सितंबर तक चलाएगी 'स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर' अभियान

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार 10 से 19 सितंबर तक पूरे देश में तटीय स्वच्छता अभियान 'स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर' चलाएगी। इस अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने वैज्ञानिक संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तकनीकी नवाचार, जनभागीदारी तथा विभागीय सहयोग को जोड़कर इसे जन आंदोलन का स्वरूप दिया जाना चाहिए। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को विज्ञान मंत्रालयों और विभागों के सचिवों तथा वरिष्ठ अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. उमेश वी वाघमारे, जैव

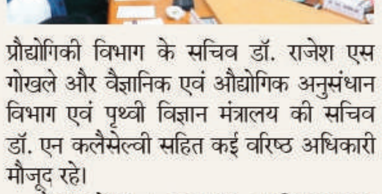

प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश एस गोखले और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की सचिव डॉ. एन कलैसेल्वी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में 'स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर' अभियान की रणनीति और तैयारियों की समीक्षा की गई। यह अभियान देश के समुद्री तटों पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जाएगा। इसमें वैज्ञानिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों, स्वयंसेवकों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक विभागों को अलग-अलग संस्थानों की तरह नहीं बल्कि एकीकृत तंत्र के रूप में कार्य करना चाहिए। नियमित संवाद, ज्ञान साझाकरण और संयुक्त पहल के माध्यम से वैज्ञानिक उपलब्धियों का लाभ सीधे नागरिकों तक पहुंचाया जा सकता है।

बैठक में विज्ञान मंत्रालयों की संचार रणनीति की भी समीक्षा की गई। मंत्रालयों ने पिछले 12 वर्षों, विशेषकर मौजूदा सरकार के पिछले दो वर्षों के दौरान हासिल वैज्ञानिक उपलब्धियों को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाने के लिए वीडियो, डॉक्यूमेंट्री, डिजिटल अभियान, इन्फोग्राफिक्स और सफलता की कहानियों के जरिए जनसंपर्क बढ़ाने की योजनाओं की जानकारी दी।

13-07-2026 T.P. Page 8_Layout 1 13-07-2026 08:55 Page 1

एक एक्टर के तौर पर अभी लंबा सफर तय करना बाकी है

'मिर्जापुर: द मूवी' इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। वेब सीरीज के तीन सीजन के बाद अब 'मिर्जापुर' फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर आ रही है। इसमें जहां वेब सीरीज के कई कलाकार और किरदार वापसी करेंगे, तो वहीं कुछ नए कलाकार और किरदार भी नजर आएंगे। अभिषेक बनर्जी भी फिल्म में सीरीज के अपने चर्चित कंपाउंडर सुबोध के किरदार में दिखाई देंगे। फिल्म की रिलीज से पहले अभिषेक ने अपने किरदार को मिले प्यार के बारे में बात की। उन्होंने एक किस्सा साझा किया जहां एक फैन ने उन्हें कंपाउडर सुबोध के तौर पर ही पहचाना।

बातचीत में अभिषेक बनर्जी ने एक फैन द्वारा उन्हें कंपाउंडर सुबोध के तौर पर पहचाने जाने का जिक्र किया। अभिषेक ने बताया कि हां, जना और हथौड़ा त्यागी। मुझे लगता है कि लोग मुझे मेरे असली नाम से ज्यादा इन किरदारों के नाम से जानते हैं। मुझे सच में इस बात की खुशी है। जब आपके किरदार अच्छा काम करते हैं, तो लोग उनसे जुड़ जाते हैं। अभी-अभी जब मैं अंदर आ रहा था, तो सिक्योरिटी गार्ड ने मुझे रोका और कहा, 'अरे, मिर्जापुर कंपाउंडर!' उसने मुझे इसी तरह याद रखा था। मैं अपने दर्शकों के साथ ठीक ऐसा ही जुड़ाव बनाना चाहता हूं।

एक एक्टर के तौर पर अपने सफर के बारे में बात करते हुए अभिषेक ने कहा कि अभी लंबा सफर तय करना बाकी है; यह तो बस शुरुआत है। मेरे लिए यह जरूरी है कि लोग मुझे मेरे काम और एक्टिंग की वजह से जानें, न कि इस वजह से कि मैं असल जिंदगी में कैसा हूं। मुझे जो काम मिल रहा है, उसके लिए मैं सच में शुक्रगुजार हूं।

अभिनेत्री आकांक्षा चमोला दोबारा नहीं करेंगी शादी, अकेली गुजारेंगी जिंदगी

अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक और खुद के बायसेक्शुअल होने की चर्चाओं के बाद अभिनेत्री आकांक्षा चमोला ने कहा है कि वह दोबारा शादी नहीं करेंगी। फराह खान और रितेश देशमुख के होस्ट किए जाने वाले नेटफ्लिक्स शो 'लॉक अप: सच या सजा' के हालिया एपिसोड में आकांक्षा अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना के साथ जेल में दिल की बातें करती नजर आईं। आकांक्षा ने पामेला से कहा कि जब उनकी शादी गौरव खन्ना से हुई थी, तब उनकी उम्र 24 साल थी। इस पर पामेला ने कहा कि वह अभी भी युवा हैं और उन्हें आगे चलकर कोई अच्छा जीवनसाथी मिल सकता है। आकांक्षा ने जवाब दिया, 'नहीं, मैं दोबारा शादी नहीं करना चाहती। मेरा मन अब शादी से भर गया है। लेकिन जिंदगी में पहली बार मैं अकेले रहूंगी। न मैं अपने माता-पिता के घर रहूंगी और न ही पति के घर। मेरा अपना घर होगा और मैं आगे की जिंदगी अकेले ही बिताऊंगी।' फिलहाल शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ 'लैला' जैसे कई लोकप्रिय चेहरे नजर आ रहे हैं।

'लॉकअप' का पहला सीजन साल 2022 में आया था, जिसे कंगना रनौत ने होस्ट किया था। पूरे सीजन में करण कुंद्रा जेलर की भूमिका में नजर आए थे। इस सीजन के विजेता मुनव्वर फारूकी बने थे। 'लॉकअप' के दूसरे सीजन में 6 हफ्तों तक 14 कैदी, दो जेलर और एक लॉक-अप होगा। शो के नियमों के मुताबिक, कैदियों को खाना, जरूरी सामान और दूसरी बुनियादी सुविधाएं पाने के लिए टास्क पूरे कर इन-गेम करेंसी कमानी होगी। पिछले हफ्ते 'जजमेंट डे' के दौरान आकांक्षा ने खुलासा किया कि वह बायसेक्शुअल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गौरव से शादी से पहले उनके महिलाओं के साथ रिश्ते रह चुके हैं। इस बारे में पूछे जाने पर आकांक्षा चमोला ने कहा, 'मैं शादी से पहले उभयलिंगी थी। मेरे रिश्ते कुछ लड़कियों के साथ हैं। बहुत ज्यादा अंतरंग संबंध नहीं रह रहे हैं लेकिन मैं कुछ महिलाओं के साथ संबंधों में रही हूं।' उन्होंने बताया कि उन्हें महिलाओं के साथ ज्यादा सहज महसूस होता है और उनकी संगति में वह खुद को बेहतर महसूस करती हैं।

20 वर्षों के बाद तमिल सिनेमा में वापसी करने को तैयार नसीरुद्दीन शाह

दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। इस बीच खबर है कि वह धनुष की अपकमिंग एक्शन ड्रामा फिल्म 'ओम' में नजर आने वाले हैं। वह आधिकारिक तौर पर इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गए हैं, जिससे 26 साल बाद तमिल सिनेमा में उनकी वापसी हो रही है। यह एक बड़े बजट का प्रोडक्शन है जिसे दो-भागों वाली एक्शन ड्रामा फिल्म के तौर पर बनाया जा रहा है। इसका निर्देशन राजकुमार पेरियासामी कर रहे हैं, जिन्हें 'अमरन' के लिए काफी तारीफें मिली थीं।

मेकर्स ने किया आधिकारिक एलान

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर नसीरुद्दीन शाह की एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा 'ओम की दुनिया में एक दमदार एंट्री। दिग्गज नसीरुद्दीन इस मेगा फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। 16 अक्टूबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आ रही है।'

20 साल पहले तमिल में किया था काम

आपको बता दें कि नसीरुद्दीन शाह ने कमल हासन की फिल्म 'हे राम' (2000) में शाहरुख खान के साथ महात्मा गांधी की भूमिका निभाई थी। यह उनकी आखिरी तमिल फिल्म थी।

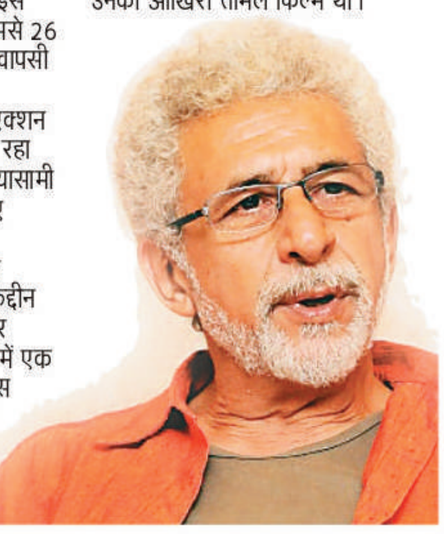

मेरा किसी की शैली की नकल करने का कोई इरादा नहीं है

अभिनेता कुनाल खेमू का कहना है कि रियलिटी शो 'एलायंस' के साथ होस्ट के रूप में अपने डेब्यू के बाद वह सलमान खान से की जा रही तुलना के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इस शो में बिना किसी पूर्वधारणा के प्रवेश कर रहे हैं और सिर्फ़ अपने स्वाभाविक अंदाज में रहना चाहते हैं। बातचीत में जब कुनाल से पूछा गया कि क्या उनके मन में सलमान खान से तुलना का विचार है, जो पिछले एक दशक से अधिक समय से रियलिटी शो की दुनिया का एक बड़ा चेहरा रहे हैं, तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया, 'मैंने इस बारे में बिल्कुल नहीं सोचा। लोग मुझसे बहुत पहले से यह काम कर रहे हैं और बहुत अच्छे तरीके से कर रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि उनका न तो किसी की शैली की नकल करने का इरादा है और न ही जानबूझकर खुद को सबसे अलग दिखाने की कोशिश। 'आपकी सोच और परवरिश ऐसी होती है कि शायद आपको लगता है कि यही तरीका है, क्योंकि आपने कुछ और देखा ही नहीं है। इसलिए मैं न तो किसी की नकल करने की कोशिश कर रहा हूं और न ही किसी से अलग बनने की।' कुनाल ने इसे अपने लिए पूरी तरह नया अनुभव बताते हुए स्वीकार किया कि उन्हें खुद भी नहीं पता कि समय के साथ वह किस तरह के होस्ट बनकर उभरेंगे।

उन्होंने कहा, 'जैसा मैंने बताया, मैं इसमें बिना किसी तय योजना के उतर रहा हूं। मुझे खुद भी नहीं पता। हो सकता है बाद में कोई कहे कि मेरी यही शैली बन गई या यह कुछ अलग है। मुझे नहीं पता। मैं बस वही कर रहा हूं जो मुझे सही लगता है।' गौरतलब है कि सलमान खान अब तक रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 15 सीजन होस्ट कर चुके हैं और उन्हें इस क्षेत्र के सबसे लोकप्रिय होस्ट्स में गिना जाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो कुनाल खेमू आखिरी बार फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' में नजर आए थे। यह उनके निर्देशन की पहली फिल्म भी थी, जिसे इसकी अनोखी कहानी और कलाकारों के अभिनय के लिए सराहना मिली थी।

रवीना टंडन ने बॉलीवुड में अभिनेत्रियों की घटती भूमिका का उठाया मुद्दा

रवीना टंडन की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर लगातार कमाई कर रही है। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है। इसी बीच रवीना ने बॉलीवुड की कॉमेडी फिल्मों में हीरोइनों की भूमिकाओं को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

रवीना टंडन ने 90 के दशक में 'अंदाज अपना अपना' और 'दूल्हे राजा' जैसी कई शानदार कॉमेडी फिल्मों में काम किया था। बातचीत के दौरान, रवीना ने कहा कि उस दौर में अभिनेत्रियों को खुलकर कॉमेडी करने का मौका मिलता था। आजकल की कॉमेडी फिल्में बहुत ज्यादा बंधी-बंधाई होती हैं या फिर उनमें बहुत सारे कलाकार होते हैं। इस वजह से हीरोइनों के हिस्से में मजेदार और हंसाने वाले सीन बहुत कम आते हैं।

श्रीदेवी और जूही चावला की तारीफ

रवीना ने 'मिस्टर इंडिया' और 'चालबाज' जैसी फिल्मों से साबित किया कि एक खूबसूरत हीरोइन भी बेहतरीन कॉमेडी और हाव-भाव से लोगों को हंसा सकती है। इसके साथ ही रवीना ने जूही चावला की कॉमिक टाइमिंग और गीता बाली और मधुबाला जैसी पुरानी अभिनेत्रियों के मजाकिया अंदाज की भी तारीफ की। रवीना ने कहा, 'आजकल की अभिनेत्रियां बहुत टैलेंटेड हैं, लेकिन फिल्मों की स्क्रिप्ट उन्हें सिर्फ सुंदर दिखने तक सीमित कर देती है। हमें ऐसे लेखकों की जरूरत है, जो महिलाओं के लिए मजेदार और हंसाने वाले किरदार लिखें, बिना यह सोचे कि उन्हें हर वक्त परफेक्ट दिखना है।'

आठ घंटे की शिफ्ट के सपोर्ट में अहमद खान

निर्देशक अहमद खान अपनी नई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच उन्होंने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट का समर्थन किया है।

जब से ऐसी खबरें आईं कि एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग करते हुए 'स्पिरिट' से किनारा कर लिया, तब से इंडस्ट्री में इस पर बहस चल रही है। आठ घंटे की मांग वाले मामले पर लोगों की राय बंटी हुई है।

अब इस मामले पर अहमद खान ने अपनी राय रखी है। उन्होंने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा 'देखिए मैं उस दौर का हूं, जब हम दिन में 24 घंटे काम करते थे। मैंने तीन शिफ्ट में काम किया है- सुबह सात से दो, दोपहर दो से रात दस और रात नौ बजे से सुबह पांच बजे तक। हम आरके स्टूडियो, फिर फेमस स्टूडियो, फिर फिल्मिस्तान में शूटिंग करते थे, जिसमें आने-जाने का समय भी शामिल होता था। हम सेट पर ही सोते थे। टूथपेस्ट कार में होता था। हम चेंजिंग रूम में नहाते थे।' इतने मुश्किल शेड्यूल के अपने अनुभव के बावजूद, अहमद खान ने कहा कि आज के एक्टर्स से उसी रूटीन का पालन करने की उम्मीद करना गलत होगा।

एक्टर्स के पास होते हैं दूसरे काम

उन्होंने कहा 'आज के युवा, स्टार्स और एक्टर्स, अगर शूटिंग नहीं कर रहे होते हैं, तो वे पब्लिक अपीयरेंस, ब्रांड एंडोर्समेंट में व्यस्त रहते हैं। शाम को उन्हें कहीं और जाना होता है। उनके पास अन्य काम भी होते हैं। इसलिए, उन्हें शूटिंग के लिए आठ घंटे चाहिए, फिर वे अपने बाकी कामों के लिए फ्री रहना चाहते हैं। यह सही है, जब तक वे काम कर रहे हैं। वे यह नहीं कह रहे हैं कि 'आठ घंटे के बाद हम टेनिस खेलने जा रहे हैं'।'

अहमद खान का सुझाव

डायरेक्टर ने सुझाव दिया कि प्रोड्यूसर और फिल्ममेकर्स को नई सच्चाई के हिसाब से अपने शेड्यूल में बदलाव करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'तो ठीक है, अगर आप आठ घंटे दे रहे हैं, तो हम अपना शेड्यूल आठ घंटे के हिसाब से रखेंगे और आठ घंटे में ही शूटिंग करेंगे। इससे सभी की जिंदगी आसान हो जाएगी।'

जन्मजात नेता हैं थलापति विजय

एक्ट्रेस प्रियामणि ने हाल ही में 'जन नायकन' के बारे में जानकारी दी। यह फिल्म सुपरस्टार से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने थलापति विजय के साथ उनकी पहली फिल्म है। एच. विनोथ के डायरेक्शन में बन रही इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की काफी चर्चा हो रही है, क्योंकि यह थलापति विजय की आखिरी फिल्म है और इसके सर्टिफिकेशन प्रोसेस में देरी की वजह से भी यह सुर्खियों में रही है। हाल ही में एक इवेंट में प्रियामणि ने फिल्म की रिलीज के बारे में इशारा करते हुए कहा कि जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। उन्होंने विजय के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की और उनके लीडरशिप गुणों की तारीफ करते हुए कहा कि बहुत से लोग मानते हैं कि वह अपनी मौजूदा भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे। अपनी फिल्म 'जीडीएन' के लिए आयोजित एक इवेंट में प्रियामणि ने थलापति विजय के मुख्यमंत्री बनने पर कहा कि मैं बहुत खुश हूं। हर कोई कह रहा है कि सर इस भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे। मुझे लगता है कि वह अच्छा काम कर रहे हैं और सभी को लगता है कि यह इसी तरह जारी रहना चाहिए।